–:: कार्यवाही विवरण ::–

मेसर्स आईएमएईसी स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड, ग्राम सकर्रा, तहसील–सकरी, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) में Proposed Greenfield Steel Plant comprising of DRI Kiln 1X350 TPD- 1,15,500 TPA, WHRB Based Power Plant-1X10 MW, FBC Based Power Plant-1X5 MW & Brick Manufacturing Unit-50,00,000 Bricks/Annum के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु अतिरिक्त कलेक्टर महोदय एवं पीठासीन अधिकारी, कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) की अध्यक्षता में दिनांक 19/11/2025 प्रातः 11:00 बजे स्थान ग्राम–सकर्रा, तहसील–सकरी, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) में आयोजित लोक सुनवाई का कार्यवाही विवरण :–

भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली की, ई.आई.ए. अधिसूचना 14.09.2006 (यथा संशोधित) के तहत् मेसर्स आईएमएईसी स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड, ग्राम सकर्रा, तहसील–सकरी, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) में Proposed Greenfield Steel Plant comprising of DRI Kiln 1X350 TPD- 1,15,500 TPA, WHRB Based Power Plant-1X10 MW, FBC Based Power Plant-1X5 MW & Brick Manufacturing Unit-50,00,000 Bricks/Annum के पर्यावरणीय स्वीकृति के संबंध में लोक सुनवाई हेतु स्थानीय समाचार पत्र नवभारत बिलासपुर में दिनांक 15/10/2025 तथा राष्ट्रीय समाचार पत्र इंडियन एक्सप्रेस, नई दिल्ली के मुख्य संस्करण में दिनांक 17/10/2025 को लोक सुनवाई संबंधी सूचना प्रकाशित करवाई गई थी। तद्नुसार लोक सुनवाई दिनांक 19/11/2025. प्रातः 11:00 बजें स्थान ग्राम–सकर्रा, तहसील–सकरी, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) में ग्राम–पंचायत भवन के पास स्थित शासकीय मैदान में आयोजित की गई। ई.आई.ए. अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 (यथासंशोधित) के प्रावधानों के अनुसार ड्राफ्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट, कार्यपालकसार की प्रति (हिन्दी व अंग्रेजी में) एवं इसकी सी.डी. (साफ्ट कॉपी) जन सामान्य के अवलोकन/पठन हेतु कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जिला–बिलासपुर, आयुक्त, कार्यालय नगर पालिक निगम, बिलासपुर, जिला–बिलासपुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यालय, जिला पंचायत–बिलासपुर, जिला–बिलासपुर, अनुविभागीय अधिकारी (रा0), कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा0) तखतपुर/बिल्हा, जिला–बिलासपुर, मुख्य महाप्रबंधक, कार्यालय मुख्य महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, बिलासपुर, जिला–बिलासपुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यालय जनपद पंचायत–तखतपुर/ बिल्हा, जिला–बिलासपुर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, कार्यालय नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद–बोदरी/तखतपुर/बिल्हा, जिला–बिलासपुर, तहसीलदार, कार्यालय तहसीलदार तखतपुर/बिल्हा/बोदरी/सकरी, जिला–बिलासपुर, क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, व्यापार विहार पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क के पास, बिलासपुर, सरपंच/सचिव कार्यालय ग्राम पंचायत/ग्राम–अमसेना, बेलमुंडी, छतौना, दिघोरा, कबराकापा, खरकेना, मेंड़पार बाजार, मेंड़पार केंवट, मुरू, पथराली, सकर्रा, सकेती, सम्बलपुरी, उड़ेला, तहसील–सकरी,

जिला–बिलासपुर(छ.ग.), सरपंच/सचिव कार्यालय ग्राम पंचायत/ग्राम–हरदी, झल्फा, खम्हारडीह, मोहभट्ठा तहसील–बोदरी, जिला–बिलासपुर (छ.ग.), सरपंच/सचिव कार्यालय ग्राम पंचायत/ग्राम–अटर्रा, अतुलकापा, भैंसबोड़, धौंराभाठा, डोकलाडीह, डोडकी, हिर्री, केवंची, मोहदा, उतगन तहसील–बिल्हा, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) डायरेक्टर, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, वायु विंग, जोरबाग रोड़, नई दिल्ली, क्षेत्रीय निदेशक, एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, अरण्य भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर–19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर एवं मुख्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, पर्यावास भवन, नॉर्थ ब्लॉक, सेक्टर–19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.) में रखी गई। परियोजना के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां एवं आपत्तियां सूचना प्रकाशन जारी होने के दिनांक से 30 दिन के अंदर क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर (छ.ग.) में लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया। इस दौरान लोक सुनवाई के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां/आपत्तियों के संबंध में इस कार्यालय को 01 आवेदन पत्र प्राप्त हुआ।

लोक सुनवाई हेतु निर्धारित तिथी दिनांक 19/11/2025 प्रातः 11:00 बजें स्थान :–ग्राम–सकर्रा, तहसील–सकरी, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) में ग्राम–पंचायत भवन के पास स्थित शासकीय मैदान में आयोजित की गई थी। लोक सुनवाई की कार्यवाही नियत समय पर आरंभ की गई।

सर्वप्रथम श्री शिव कुमार बनर्जी, अतिरिक्त कलेक्टर एवं पीठासीन अधिकारी, कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा लोक सुनवाई की कार्यवाही आरंभ करने की अनुमति के साथ श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव, क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा भारत सरकार, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी ई.आई.ए. अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 (यथा संशोधित) के परिपेक्ष्य में लोक सुनवाई के महत्व एवं प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी जनसामान्य को दी गई।

तत्पश्चात् परियोजना प्रस्तावक की ओर से श्री संदीप कुमार वर्मा, मुख्य महाप्रबंधक, मेसर्स आईएमएईसी स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड, ग्राम सकर्रा, तहसील–सकरी, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) में Proposed Greenfield Steel Plant comprising of DRI Kiln 1X350 TPD- 1,15,500 TPA, WHRB Based Power Plant-1X10 MW, FBC Based Power Plant-1X5 MW & Brick Manufacturing Unit-50,00,000 Bricks/Annum के परियोजना के संबंध में संक्षिप्त जानकारी से जनसामान्य को अवगत कराया गया।

अतिरिक्त कलेक्टर महोदय एवं पीठासीन अधिकारी, कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को जनसुनवाई

संबंधी विषय पर अपने सुझाव, आपत्ति, विचार, टीका–टिप्पणी मौखिक अथवा लिखित रूप से प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया।

तत्पश्चात् उपस्थित लोगों ने मौखिक रूप से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां/आपत्तिया दर्ज कराया गया। जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

1. **श्री विवेक, ग्राम–सकर्रा** :– सभी भाईयों से निवेदन है कि मेरी बात को ध्यान से सुनिये ये जो फैक्ट्री खुल रहा है वो हमारे गांव के विकास के लिए खुल रहा है। गरीब–मजदूर को रोजगार देनें के लिए खुल रहा है, इसलिए ये फैक्ट्री खुलना चाहिए और खुलेगा और गरीब मजदूर को लाभ मिलेगा और ये खुलकर रहेगा। आप लोग गलत तरीके से व्यवहार कर रहे है। ये फैक्ट्री खुलेगा हमारे गांव का विकास होगा, हमारे क्षेत्र का विकास होगा। यहां गरीब मजदूर बहुत है। उनको रोजी–रोटी मिलने में दिक्कत हो रहा है। मेरा आपसे निवेदन है कि फैक्ट्री खुलना चाहिए।

2. **श्री लेखराम साहू, ग्राम–छतौना** :– यहां जो फैक्ट्री डल रहा है वो खुलना चाहिए। लोगों को रोजगार मिलेगा। बेरोजगारी दूर होगी।

3. **श्री लक्ष्मण खैरवार, ग्राम–कोपरा** :– जो स्टील प्लांट खुलने जा रहा है उसको खोला जायेगा।

4. **श्री ओमकार यादव, ग्राम–कोपरा** :– जो एक रूल है क्या उसकी जमीन है? क्या खुल रहा है? ये तो अच्छी बात है सभी को रोजगार मिलेगा। जो मेहनत करेंगे उसको बढ़िया रोजगार मिलेगा।

5. **श्री प्रदीप कुमार, ग्राम–अमसेना** :– जो स्टील प्लांट बेलमुण्डी क्षेत्र में खुल रहा है। सभी लोकल 90 प्रतिशत आदमी को रोजगार मिलना चाहिए।

6. **श्री लक्ष्मी प्रसाद खैरवार, ग्राम–कोपरा** :–स्टील प्लांट खुल रहा है उससे सब को रोजगार मिलेंगा।

7. **श्री राजू यादव, ग्राम–बेलमुण्डी** :– प्लांट खुल रहा है उसमें सहयोग कर रहा हूँ। उसमें सबको नौकरी चाहिए।

8. **श्री परदेशी साहू, ग्राम–कोपरा** :– प्लांट खुल रहा है कोई आपत्ति नहीं है।

9. **श्री लक्ष्मी प्रसाद, ग्राम–अमसेना** :–स्टील प्लांट खुल रहा है। अच्छी बात है गरीब आदमी को रोजगार मिलना चाहिए।

10. **श्री कांति विश्वकर्मा, ग्राम–सकर्रा** :–स्टील प्लांट में सबको रोजगार मिलना चाहिए।

11. **श्री राजेश कौशिक, ग्राम–बेलमुण्डी** :– जो जन सुनवाई किया जा रहा है स्टील प्लांट के लिए उसमें हमारे गांव की जनता को रोजगार मिले।

12. **श्री चैतराम विश्वकर्मा, ग्राम–कोपरा** :– रोजगार चाहिए।

13. **श्री बृजेश शर्मा, ग्राम–छतौना** :– प्लांट खुलना चाहिए क्षेत्र का विकास होना चाहिए। इससे ग्रामीणों का विकास होगा। ये सब हम क्षेत्रवासी लोग चाहते है।

14. **श्री सुरजीत सिंह, ग्राम–नयापारा बोदरी** :– यहां प्लांट खुलना चाहिए। यहां पर बेरोजगारों को रोजगार मिलना चाहिए।

15. **श्री महेत्तर लाल कौशिक, ग्राम–छतौना** :– मैं चाहता हूँ कि ये प्लांट नहीं खुले क्योंकि यहां पर जितनी भी जमीन है प्रदूषित हो जायेगा, फसल होना बंद हो जायेगा, बहुत बुरा प्रभाव पड़ेगा। दूसरी बात लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ेगा। इसलिए नहीं खुलना चाहिए ये फैक्ट्री।

16. **श्री सुनील भारते, ग्राम–सकरी** :– हमें रोजगार मिले, खुलने से कोई आपत्ति नहीं है।

17. **श्री मनीष कुमार पनिका, ग्राम–सकरी** :– फैक्ट्री खुलना चाहिए। बेरोजगार लड़कों को रोजगार मिलना चाहिए।

18. **श्री जय कुमार धनकर, ग्राम–सकर्रा** :– ये फैक्ट्री खुले से हमर गांव में प्रदूषण बहुत फैल सकत हे। आज हमारे गांव से लगभग 20 से 25 किलोमीटर दूरी म ये सिरगिट्टी हवय जो इण्डस्ट्रीज एरिया हे, ओमा के धुआं व धूल–धक्कड़ से हमन इतना प्रदूषित हन के ओला हमन जानत हवन। हमर स्वास्थ्य म आगे चलकर के

बहुत खराबी आही व जेन पड़ोसी गांव बेलमुण्डी अउ हमर आस–पास गांव खार म खुले हे कोयला फैक्ट्री, कोल वॉशरी ओमा लगे हे बड़े–बड़े बोर ओ बोर से पानी निकालत हे हमर गांव म आज तक के पानी की कमी नई रहीस हे, ओहा बिते दिन गर्मी म पानी के इतना किल्लत होईस हे के बाहर से टैंकर बुलाना पड़ गईस। पानी टैंकर बुलाये के बाद भी हमर गांव के शादी अउ बर–बिहाव म दिक्कत रहीस। ये फैक्ट्री खुलही ये बड़ा दिक्कत हे, पानी पूरा खिच लेही गा। हमन पीये बर तरस जाबो, अउ मैं यही निवेदन करत हव के ये फैक्ट्री नहीं खुलना चाहिए। ऐमा हमर अउ आने वाला भविष्य सब खतरा म हे। हमर गांव के तीर म कानन पेण्डारी हे, ओमा के जीव–जन्तु पूरा प्रदूषित हो जाही। हमन अपन लईका ल का बताबो गा के शेर–भालू रहिस हे के यहां का रहिस हे? कोपरा जलाशय हे ओमा पूरा बाहर ले पक्षी आथे, ओला अपन ई.आई.ए. रिपोर्ट म ये ह दर्शाये नई हे। ओहू ल देखें हन सिर्फ कोपरा बांध लिखे हे। यहां ले 27 किलोमीटर म चकरभाठा रेलवे स्टेशन हे, आप चल के देखिए मेरे साथ में गाड़ी में आईये मैं ले के जाता हॅू कितना किलोमीटर है? मैं दिखाता हॅू कितना किलोमीटर रेल्वे स्टेशन है? आप हमारे साथ में चलिये हमारा एयरपोर्ट कितना किलोमीटर में है? आप मेरे साथ में चलिय हाईकोर्ट कितना दूर में है? ये सब चीज से इतना प्रदूषित होही जेला हमन सोचे नहीं हन। मैं आप मन से हाथ जोड़कर विनती करत हव के फैक्ट्री ह नई खुलना चाहिए, नहीं खुलना चाहिए। आज के दिन म कोई ल काम के कमी नई हे। जांगर हे त कोई काम के कमी नई हे। बस जांगर रहना चाहिए। 400–500 रोजी महू कमावत हव गा मैं कुली–कबाड़ी करथव। मोला का मिल जाही मैं अपन आगे के जिंदगी ल देखहूं फैक्ट्री ल नई देखव। फैक्ट्री म मोला अधिकारी नई बनाही काहे के मैं ओ हिसाब से मैं उतना पढ़े–लिखे नई हंव। मैं पढ़े–लिखे भी रहितेंव त वहां जाके कुली–कबाड़ी थोडी करिहव। मोर आप मन से यही अपील हे, निवेदन हे, आग्रह हे कि ये फैक्ट्री बंद होना चाहिए और पूरा बंद होना ही चाहिए।

19. **श्री बृजेश निर्मलकर, ग्राम–सकर्रा** :– जैसा कि यहां पर आई.एम.ए.ई.सी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का निर्माण होना है। यहां प्रावधान के अनुसार हम सब लोग आये हुये है। आप सब अधिकारी लोग व जन सामान्य आये हुये हैं। जनता से क्या चाहते है? आज कल हमारी खेती का रकबा वैसे भी कम होते जा रहा है। हमर गांव में देखा जाये तो हमारे आस–पास में कोल डिपो, कोल वॉशरी, कोयला भंडारण के उद्योग लगा हुआ है, इसलिए खेती के लिए जो जमीन है वो धीरे–धीरे लुप्त होते जा रहें है। हमारे पारंपरिक खेती है जो हमारे गांव के किसान हैं, मजदूर हैं ये सब कृषि के ऊपर डिपेन्ड हैं। ये जो खेत है, धरती है हमारी मॉ है और मॉ

के गर्भ में पानी रहता है। जो हमारे जीवन के लिए जीवनदायनीय है। उस पानी को हम बचाना चाहते हैं। 2024 में हम सब देखे हैं पानी संकट, इतना घोर पानी संकट था जिसे आप सभी लोग जानते हैं। सिंचाई विभाग भी जानता है पीने के लिए हम लोग तरस रहे थे। हमारे गांव के नजदीक घोंघा जलाशय है, कोपरा जलाशय है, कोपरा बांध है उसके बावजूद भी पानी 300–400 फीट नींचे चला गया था। सभी बोर में इतना पानी का पाईप लगा है उसके बाद में भी हमारा फसल बर्बाद हो गया है। 25 प्रतिशत फसल मुसकिल से हो पाया है और इस तरह से बड़ा–बड़ा बोर हो जायेगा तो उसमें हजारो–लाखों लीटर पानी उपर आयेगा। उससे फायदा तो इण्डस्ट्री वालों का हो रहा है। इण्डस्ट्रीज आप खोलिए ये भी जरूरी है, इसको उस स्थान पर खोलिये व बनाईये जहां पर खेती नहीं हो रहा है। पड़ती भूमि है, जहां जंगल है वहां पर आप लोग खोलिये। जहां उसका जरूरत है लेकिन हमारे गांव सकर्रा में इण्डस्ट्री का किसी प्रकार से जरूरत नहीं है, क्योंकि लोग यहां पर भूख नहीं मर रहे है। सभी लोग अपना कमा कर खा रहे है। भाजपा सरकार वैसे भी चांवल दे रहा है। लोग पढे हैं, लिखे है। दिल्ली–बाम्बें जाकर युवा लोग अपने कलाकारी व तकनीक से कमा रहें है। ऊर्जावान कोई ऐसा नहीं है कि इण्डस्ट्री नहीं खुलेगा तो लोग यहां पर भूख मर जायेंगे। वास्तव में भूख नहीं मरेंगे। इसलिए मैं सभी लोगों से निवेदन करता हूँ आप उच्च अधिकारी है। आप तीनों तहसीलदार, कलेक्टर आये हुये है। आप लोग अपने मन से सोचों वास्तव में जनता जरूरी है कि इण्डस्ट्री, कि हमको प्यास बुझानें के लिए पानी जरूरी है कि पैसा, पानी ज्यादा जरूरी है, हवा जरूरी है, हवा में बगैर आक्सीजन के एक मिनट के लिए जीवित नहीं रह सकते। अभी हम लोग नाक को बंद करेंगे तो आधा मिनट में मर जायेंगे। यदि हवा में जहर मिलेगा तो लोग कई तरह के बीमारियों से ग्रसित हो जायेंगे। चर्म रोग होगा, उनको तरह–तरह के कई बीमारियां होंगे। बीमारी लाना है क्या बताईये? हमको तो स्वस्थ्य रहना है क्यों भाईयों बताईये आप लोग बताईये, है ना बीमारी नहीं लाना है। शुद्व वातावरण चाहिए, शुद्व आक्सीजन चाहिए, शुद्व पानी चाहिए। इसके लिए हम वास्तव में लोभ के लिए नहीं आये है अपने स्वास्थ्य के लिए आये है। पानी के लिए आये है, सुरक्षा के लिए आये है। अपने आने वाले पीढ़ी को जहर नहीं पिलाना चाहते। हम अपने लिए साफ वातावरण चाहते है। हमारा आने वाला पीढ़ी सुरक्षित हो।

20. **श्री लखीराम, ग्राम–सकर्रा** :– कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए साहब।

21. **श्री जितेन्द्र कुमार कौंशिक, ग्राम–सकर्रा** :– मैं कहत हव के कोल वॉशरी खुलही, कोल फैक्ट्री और लोहा फैक्ट्री खुलही त हमन लोहा ल चाबाबो के खाबो के पैसा ल खाबो। धान ल खाबो त ओ ह तो करिया हो जाही। मैं बातावत हव अधिकारी मन ये लिख के दिये हे के वहां पर 10 किलोमीटर बंजर हवय कहके अउ चला मैं ह दिखावत हव यदि साहब ह वहां पर जाये बर अभी तैयार होही का? जन सुनवाई म आये हे ओ मन ल जगह म लेग के देखावत हव के वहां पर अभी धान बोवाई होय हें। का ये बात सहीं है कि गलत हैं? ये बात ल साहब हमन के साथ जाकर देखही खेत का? सर मैं आपसे बिनती करत हव। मैं कहत हव की कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। फैक्ट्री खुलही त लईका मन ल बिमारी होही, आज हमला मौका मिले हे, नाती मन होही त कईही बाबू तोर मेर अतका समय रहिस हे तैं ह का करे? कोयला म हमर जीवन ह 60 साल से 20 साल हो जाही अउ बीमारी म मर जाबो। एखर से अपंग लईका होही मैं बतावत हव जेन ह ऐखर अनुमति देही ओ ह मरही ऐतका समझ के चला। वायु मार्ग ल 17 किलोमीटर लिखे हे, ये जलाशय ल लिखेच नई हे। हाईकोर्ट ल दूर लिखे हे, कौन अधिकारी ह लिखे हे। वही पटवारी लिखे हे के ये लंग जमीन नई हवय, बंजर जमीन हे, कोन मेर हे ओ ह तहसीलदार के आंखी फुट गये हे का के कोन मेर ओ ह बंजर जमीन देखें हे। खेती के जमीन ल ओ ह का नई जाने सर वोला? मैं अपन बात रखत हव सर ऐखरे कारण गड़बडी होये हे, पैसा के लालच न देखें, सब भगवान के दया से होही, गलत काम करही तेन ह जाही। जब ये बनही करके पास होये हे अउ ओमा बांध ल बताये ही नई हे कि वहां बांध बने हे ओ ह सिर्फ कोपरा गांव कहे हे, कानन पेण्डारी कहे हे, ठीक हे वो ह केन्द्र गवर्नमेंट के हे, पर राज्य में तो शेर है शेर ल मार के खा जाहा त ऐखर बाद में का होही? गवर्नमेंट नारा लगाथे मां के नाम से दो पेंड़ लागाओ करके हमन ल चुतिया बना थे। अपन पूरा जंगल ल कटवावत हे। आम आदमी को देखना नहीं है बस दो झन व्यापारी ल बढ़ाना है। क्या हम ह लोहा ल खावत रहिबो आपे मन ह बतावा? अतके बोलना चाहत हव बस।

22. **श्री जोरी सूर्यवंशी, ग्राम–सकर्रा** :– ये जो फैक्ट्री है नहीं खुलना चाहिए भैया क्योंकि इससे बहुत नुकसान है, खेती–बाड़ी में भी बहुत नुकसान है, सांस लेने में नुकसान है, पानी का नुकसान है। इसलिए ये फैक्ट्री नहीं खुलना चाहिए। मेरा इतना कहना है।

23. **श्री राम नारायण मरावी, ग्राम–सकर्रा** :– फैक्ट्री नहीं खुलना चाहिए सर।

24. **श्री भोला शंकर, ग्राम–सकर्रा** :– फैक्ट्री नहीं खुलना चाहिए।

25. **श्रीमती सीता सूर्यवंशी, ग्राम–सकर्रा** :– पहली से 02 फैक्ट्री खुले हे ओमा साल से काम करत हव। प्रगति समिति के मैं अध्यक्ष हूँ। 02 साल से काम करे हव बड़े–बड़े 02 खदान हे। आज के डेट म इतना पानी के तकलीफ होये हे। कोल वॉशरी के जब धूल आथे त पूरा घर तक आथे। बीमारी अलग पड़ही, ये कोल वॉशरी खुलने से मना है। आज सर मन ल निवेदन हे हाथ जोड़कर, पांव आप मन के पड़े जाथे जो खुलते हे ओ नहीं खुलना चाहिए।

26. **श्री मनीष साहू, ग्राम–सकर्रा** :– यहां पे कोयला डिपो नहीं खुलना चाहिए। लोहा फैक्ट्री यहां पे नहीं खुलना चाहिए।

27. **श्री रविशंकर कर्ष, ग्राम–सकर्रा** :– हमारे ग्राम में लोहा फैक्ट्री खुलने का बिल्कुल विरोध करता हूँ मैं, सभी ग्रामवासियों के लिए ये बहुत हानिकारक होगा। भविष्य में इसका हानि बहुत ज्यादा फैल जायेगा। जल व वायु प्रदूषण फैक्ट्री खुलने से होगा। इसलिए हम सभी इसका विरोध करते हैं। ये लोहा फैक्ट्री बिल्कुल नहीं खुलना चाहिए।

28. **श्री दूरजराम कुर्रे, ग्राम–उडेला, सरपंच प्रतिनिधि** :– यहां सकर्रा में कोल डिपो, लौह अयस्क का कार्य खुलने के लिए ये जन आंदोलन रखा गया है। इसमें अपना विरोध दर्ज करवाता हूँ। यहां नहीं खुलना चाहिए, यदि खुलेगा तो क्षेत्र में पानी, बिजली और धान की खेती में भी लौह अयस्क का प्रदूषण होगा। वो हमारे धरती में क्षति पहुंचायेगा। इसका जनप्रतिनिधियों के द्वारा यहां विरोध दर्ज कराया जा रहा है जो उचित है और हमारे काम व उन्नत खेती के लिए हानि होगा। इसलिए इसका मैं विरोध दर्ज करवाना चाहता हूँ। मेरी बात को यहां गौर से ध्यान दिया जाए। ये साईड में कई कोयला डिपो खुला है, बुटेना में, आगे उड़ेला में कहीं–कहीं और खुला है। इन्हीं के कारण पूरा ऐक्सीडेंट होता है। न यहां कोल डिपो का पैसा ग्राम पंचायत में आता है न पानी, बिजली का रख रखाव होता है। इसलिए मैं अपना विरोध दर्ज करना चाहता हूँ।

29. **श्री नरेन्द्र कुमार कौशिक, ग्राम–सकर्रा** :– फैक्ट्री नहीं खुलना चाहिए विरोध कर रहा हूँ मैं।

30. **श्री परमेश्वर मार्को, ग्राम–सरसेली** :– मोर गांव में बहुत समस्या हे। अभी समाधान होही हे त बात ल रखिहव। 211 बटे म मोर जमीन हे, राजू यादव और गगला देवार पूरा नाला में कब्जा कर दिये हे, ये मोर पहली समस्या हे। मोर फसल नई होवत हे पूरा नाला म बेजा कब्जा कर दिये हे। मैं गरीब आदमी हव मोर कुछ नई हे। मोर कोई आधार नई हे ये सब मन नेतागिरी म कब्जा कर ले हवय। दूसरा ये धरमलाल कोटवार हे, कोटवारी जमीन मिले रहीस हे ओला बेच दे हवय। मेरा जमीन है, मेरा जमीन से पानी नहीं निकल रहा है। नीचे नाला को घेर लिया है मैं क्या करूंगा? गरीब आदमी हूँ जन सुनवाई किस लिए है? धमरलाल को सरसेली मे कोटवारी जमीन मिला था, उसमें पूरा कब्जा कर लिया है। सकरी वाले शत्रुहन यादव को बेच दिया व जमीन यहां फिर से ले लिया है, कलेक्टर महोदय से निवेदन है कि वहां के जमीन को कब्जा करे यहां के मुख्य मैदान को हटाये नही तो आपको किसी से पूछना है तो पुछ लिजिए तब तो यहां पर जन सुनवाई करो और मेरा समस्या है मेरे गांव में अभी तक न एक मुक्तिधाम है, न सी.सी. रोड़ है, कुछ भी नहीं है अभी मेरे सामने जो बात कर रहे थे। बरसात में कोई मर जायेगा तो एक मुक्तिधाम नहीं है। उड़ेला पंचायत से दूरजराम कुर्रे जी है। आज तक एक ठोक मरघटिया में एक शेड नई हे, बरसात में कोई मर जाता है तो उसको जलाने के लिए जगह नहीं है। आप से अनुरोध करूंगा, कर सकता हूँ कि नई कर सकता हूँ? तो उसका कुछ समाधान, कुछ करिये। पहले तो मेरे खेत का पानी नहीं निकल रहा है। उसका कुछ समाधान करिये, पहला तो मेरा खेत राजू राउत और गगला देवार घेर लिया है। दूसरा क्रिकेट मैदान, कब्बडी मैदान को धरमलाल कोटवार कब्जा कर लिया है। रही बात ये कोल डिपो की जेन गांव में विकास होही, मेरे हिसाब से ये खुलही। मैं कहना चाहता हूँ कि पिछे वाले बोल रहे है दारू भट्ठी के लिए वो शासन का काम है कहां चलायेगा, कहां बंद करेगा। रही बात फैक्ट्री की है तो जहां विकास होगा भैया वही डालो भैया। यहां सीसी रोड़ नहीं है, पानी के लिए हैण्डपंप नहीं है। सामने वाला देगा तो मैं ओखरे पक्ष म जाहूँ, पीछे वाला दबाव करही त मैं गरीब आदमी हव कुछ है ही नहीं। वोहू ल कब्जा करके रोक देही। मैं गवर्नमेंट से निवेदन करत हव के सबके सामाधान करे के कृपा करव।

31. **श्री आनंदराम सूर्यवंशी, ग्राम–सकर्रा** :– मैं स्टील प्लांट खुल रही है उसका पूर्णतः विरोध कर रहा हूँ। हम गरीब आदमी हैं हमारे गांव का पानी–हवा सभी पूरी तरह से नुकसान होगा इसलिए मैं इसका विरोध करता हूँ।

32. **श्री अशोक साहू, ग्राम–सकर्रा** :– ये आयरन फैक्ट्री नहीं खुलना चाहिए इसका विरोध करता हूँ।

33. **श्री दीपक कुमार यादव, ग्राम–सकर्रा** :– इस फैक्ट्री के खुलने का विरोध करता हूँ। ये सब फर्जी है, नहीं खुलना चाहिए।

34. **श्री प्रमोद कौशिक, ग्राम–सकर्रा** :– यहां पे प्लांट नहीं खुलना चाहिए। यहां सब तरह से नुकसान है।

35. **श्री चैतराम सूर्यवंशी, ग्राम–सकर्रा** :– ये कंपनी खुलने का विरोध करता हूँ। 100 मीटर दूरी में मेरा खेत है। कोयला डिपो के धूल में मैं खेती नहीं कर पा रहा हूं व आगे स्टील प्लांट का प्रदूषण हम लोग कहां झेल पायेंगे। इसलिए एकदम से हम लोगों का विरोध है, नही खुलना चाहिए, नहीं खुलना चाहिए, नहीं खुलना चाहिए।

36. **श्री आशीष कुमार श्रीवास, ग्राम–सकर्रा** :– हमारे गांव मे जो स्टील प्लांट खुल रहा है। उसके विरोध में बोलना चाहता हूँ कि ग्रीष्म ऋतु में इधर बोर में पानी नहीं रहता है। स्टील प्लांट खुलेगा तो पानी की आवश्यकता होगी। इसका विरोध करता हूँ।

37. **श्री अन्नू भारते, ग्राम–सकरी** :– प्लांट खुलना चाहिए, काम मिलना चाहिए।

38. **श्री आकाश, ग्राम–सकरी** :– ये प्लांट खुलना चाहिए। मेरे को काम की जरूरत है।

39. **श्री सुमित कौशिक, ग्राम–कोपरा** :– ये प्लांट खुलना चाहिए। मुझे भी पता है प्लांट खुलना चाहिए, बस खुलना चाहिए।

40. **श्री धीरज पहाड़ी, ग्राम–सकरी** :– प्लांट खुलना चाहिए।

41. **श्री अर्नव, ग्राम–सकरी** :– प्लांट खुलना चाहिए। काम मिलना चाहिए सभी भाईयों को।

42. **श्री राकेश कुमार यादव, ग्राम–सकर्रा** :– ये प्लांट का मैं विरोध करता हूँ। ये प्लांट नहीं खुलना चाहिए।

43. **श्री बंशीराम साहू, ग्राम–सकर्रा** :– ये स्टील प्लांट किसी कीमत में नहीं खुलना चाहिए। कोल वॉशरी के चलने हाथ–पैर व कपड़े काला हो जाता है, इसका तो छोड़ दीजिए। स्टील प्लांट किसी भी हालत में नहीं खुलना चाहिए, नहीं खुलना चाहिए, नहीं खुलना चाहिए।

44. **श्री लक्ष्मीचंद निर्मलकर, ग्राम–बुटेना** :– गांव के तिर म एक कोल डिपो हे ओमा से अतका प्रदूषण आथे के मैं ह आवत रहें हंव त गमछा में कितना धुर्रा हे ओला आप मन ह देखा। अईसे–अईसे हमर ऐरिया म कितना प्लांट खुले हे के हमर जीना दुभर हो गए हे अउ हो जाही। हम मर जाबो साफ हवा–पानी बर। शहर के आदमी गांव कती भागत हे भाई, हमला शहर कती भागे पर पड़ही। ऐखरे बर प्लांट कभी नहीं खुलना चाही ब्लकि वॉशरी ल भी बंद करना चाही। सबे प्लांट के धुर्रा हमर तालाब म आथे अउ करिया–करिया माढ़े रहथे। दिन भर हमन सांस लेबो त हमर फेफड़ा म कितना जावत होही? भविष्य में हमर लईका बच्चा के का का होही?

45. **श्री धर्मेन्द्र मरावी, ग्राम–सकर्रा** :– स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए। इसका विरोध करता हूँ।

46. **श्री दीपक, ग्राम–कोपरा** :– ये प्लांट खुलना चाहिए। हमें काम की जरूवत है।

47. **श्री मनोज कौशिक, ग्राम–सकर्रा** :– स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए। हम विरोध करते है। हर चीज की परेशानी हो जाएगा। हम मना करते है। हम सब से बिनती करते है ये स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए, नहीं खुलना चाहिए और जो सकरी–बिलासपुर से आया है और खुलना चाहिए बोल रहा है तो उन्ही लोगों के गांव में खुलना चाहिए। हमारे गांव में नहीं खुलना चाहिए। हमारा विरोध है, विरोध है।

48. **श्री श्रवण, ग्राम–सकर्रा** :– ये प्लांट नहीं खुलना चाहिए।

49. **श्री होरीलाल, ग्राम–सकर्रा** :– प्लांट नहीं खुलना चाहिए।

50. **कु0 मुस्कान सारथी, ग्राम–सकर्रा** :– स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए। हमारे सेहत के लिए हानिकारक है। इसके बदले कॉलेज खोल दीजिए।

51. **कु0 अंजली, ग्राम–सकर्रा** :– भूमिगत जल घटेगा, बच्चे और बुजुर्ग के स्वास्थ्य से संबंधित घटनाएं आयेगी।

52. **श्री आदित्य कौशिक, ग्राम–सकर्रा** :– ये प्लांट नहीं खुलना चाहिए। ये जनसुनवाई के माध्यम से लोगों को गुमराह किया जा रहा है, नौकरी के नाम से भड़कावे में मत आईये बाकी सब तो समझदार है।

53. **श्री अभिषेक कुमार साहू, ग्राम–सकर्रा** :– इस प्लांट के विरोध में बोलना चाह रहा हूँ कि भाई प्लांट नहीं खुलना चाहिए, जितने भी लोग दारू, मुर्गा, पैसा ले के खुलना है, खुलना है बोल रहे हो ना आपके बच्चे बढ़ेंगे, तो तब आप लोगों को पता चलेगा। नहीं खुलना चाहिए प्लांट।

54. **श्री भूपेन्द्र सूरज सिंह, ग्राम–सकर्रा** :– इस प्लांट से सभी को नुकसान है सर, यदि आपको खोलना है तो अस्पताल खोलें, कॉलेज खोलें मगर स्टील प्लांट, कोयला प्लांट नहीं खोले।

55. **श्री विक्रम सूर्यवंशी, ग्राम–सकर्रा** :– यहां हम प्लांट खुलने के लिए अनुमति नहीं देंगे क्योंकि आगे भविष्य के लिए बहुत प्रॉबलम होगा। सभी बच्चों के लिए।

56. **श्री रामप्रसाद यादव, ग्राम–उडेला** :– कोयला डिपो के विरोध में दो शब्द बोलना चाहता हूँ कि जो आस–पास के भूमि हैं वो प्रदूषण के कारण बंजर होते जा रहा है। कोयला डिपो नहीं खुलना चाहिए, लोहा फैक्ट्री नहीं खुलना चाहिए।

57. **श्री उत्तम विश्वकर्मा, ग्राम–सकर्रा** :– जो हमारे गांव में स्टील प्लांट खुलने वाला है। उसका मैं विरोध करता हूँ और यहां नहीं खुलना चाहिए।

58. **श्री रविकांत, ग्राम–सकर्रा** :– जो आज के सुनवाई में स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड है। उसका भरपूर विरोध करता हूँ। कोल वॉशरी खुला है उसका भी विरोध करता हूँ। मैं ये पूछना चाहता हूँ पर्यावरण विभाग से कानन पेण्डारी है उसको दर्शाया नहीं गया है। कोपरा को मात्र गांव दर्शाया गया है, वहां के जलाशय को नहीं दर्शाया गया है। कोपरा में सन् 2019 में 02 फरवरी को कलेक्टर महोदय घोषित किये थे कि रहवॉसी पक्षी का रहवास स्थल रहेगा व उसका रहवॉस स्थल रहेगा। यहां से 01 किलोमीटर की दूरी है। इसलिए इसका मैं भरपूर विरोध करता हूँ और कोपरा में

रहवॉसी पक्षी का रहवास जल्द से जल्द बनाने का समर्थन करता हूॅ और स्टील पॉवर प्लांट लिमिटेड का भरपूर विरोध करता हूॅ, विरोध करता हूॅ।

59. **श्री भरतलाल धनकर, ग्राम–सकर्रा** :– ये जो कोल इंडिया खुल रहा है, स्टील प्लांट खुल रहा है उसमें हम लोग भरपूर विरोध करते है। हमारे खेती योग्य जमीन बंजर हो जायेगा। हमारे आने वाले पीढ़ी का नुकसान होगा, इसलिए हम इसका विरोध करते है।

60. **श्री धनीराम केवट, ग्राम–सकर्रा** :– मैं आई.एम.ए.ई.सी. स्टील लिमिटेड कंपनी के खुलने का विरोध करता हूॅ, क्योंकि मैं दो साल महावीर कोल वॉशरी में काम कर चुका हूॅ, जिसमें मेरे को बहुत हानि हुई है। जिसमें ई.एस.आई.सी. का भी पैसा नहीं मिला है। मेंरे को एक प्राईवेट संस्था के अनुसार पैसा दिया जायेगा यह बोला गया था लेकिन पूरा सिम्स हॉस्पिटल के दस्तावेज के अनुसार से पैसा दिया गया था। मेरे को सपोट के लिए बोला गया है कि अपको पैसा दे दिया जायेगा जो कि ये गलत है। मेरे को मेरे कंपनी के द्वारा पूरा सपोट देना था लेकिन नहीं दिया। मैं स्टील कंपनी का विरोध कर रहा हूॅ कि ये कंपनी नहीं खुलना चाहिए, क्योंकि 01 किलोमीटर में मेरा भी जमीन है व मैं भी किसान हूॅ।

61. **श्री कृष्ण कुमार साहू, ग्राम–सकर्रा** :– स्टील कंपनी खुलने वाला है विरोध कर रहा हूॅ। ज्यादा कहे बर तो नई आए हंव। बड़े–बड़े नाम हे सीधा बात करत हव फैक्ट्री मालिक हवय यही मेर हमन जानथन। पहले से कोयला डिपो खुले हे मोर खेत वही कने हवय। जब अपन धान लुवे अपन घर वाली का भेजेव त ओ ह धान लु के आईस हे त पूरा करिया हो गए रहीस हवय। ओ ह मुॅह धो के नई आए रहीस हे घर म जब मैं देखेंव घर आईस हे त कोन आ गये ददा कहीके मैं खुद डरा गयेव हव। जब धान लु के घर आईस ता कोल वॉशरी के कोयला के धुआं कें कारण खांसे लगीस। तो कहथव कैसे खांसथस वो, कोयला के धुंआ के कारण आये कईथे। वो कोयला फैक्ट्री खुले हे त अतका प्रदूषण हे जब स्टील प्लांट खुलही त ओमा तो बहुत ज्यादा प्रदूषण बढ़ही। छानही म बड़ी बना के सुखाय रहव सुखाये के बाद वो करिया हो गे रहीस हे। त का हमर गांव के चाहत हव के बड़ी करिया होवय? हमला करिया बड़ी नई खाना हे भईया, हमला भुरूवा बड़ी खाना हे। पानी के कतका किल्लत होईस हे ऐका हमन जानथन। टैंकर मंगवाना पड़ीस हे तभो पानी के पूर्ति नई हो पावत रहीस हे। ऐखर सेती मैं कहत हंव भईया अपन कोल

वासरी म कतका झन हमर गांव के आदमी ल नौकरी दे हवयं। ऐको हवय हमर गांव सकर्रा के हवय, जन सुनवाई के मतलब हे कोई भी आ के बोल सकत हे भईया दिल्ली, भोपाल के आदमी आकर बोलही। यहां कोयला के प्रदूषण ल ओ ह लेही का ओका नहीं लेवय। ओला तो सहना हे हमर सकर्रा वाले ल। बाहर के आदमी आकर बोलत हे खुले करके नौकरी मिलही, हमन नौकर लगत हन का, कोन हे कोल वॉशरी में नौकरी म मोला बतावा। स्टील प्लांट ऐखर मैं भरपूर विरोध करत हव, नहीं खुलना चाहिए।

62. **श्री सूर्यकांत चौहान, ग्राम–सकर्रा** :– मात्र 19 साल के लईका हव अउ मैं स्टील प्लांट के विरोध करत हव का बर के पानी के किल्लत बहुंत होय हे अभी पिछले गर्मी म 400 फीट नीचे चल दे हे पानी ह। पिछले गर्मी म नवा–नवा बोर होय रहीस हे ओमा पानी नई आवत रहिस हे। हमर गांव ह बहुत ज्यादा प्रदूषण हे गांव के तीर म कोल वाशरी खुले हे ओखर कारण। हमर घर तक काला–काला धूल आवत हे जेखर ले सांस ले म बहुंत दिक्कत होवत हे। हमर घर म छोटे–छोटे लईका हे उमन ल सांस ले म बहुत दिक्कत होही। हमन ल अभी पता नई चलत हे जब 30 साल के हो जाबो त हमर फेफड़ा ह बीड़ी अउ सिगरेट पीए असन पूरा काला हो जाही। हमन बहुंत जल्दी मर जाबो। अगर यहां प्लांट खुल गये त हमन 19 साल के लईका 25 साल तक निपट जाबो त आगे के जनरेशन ह का करही? यदि भगवान के कृपा से जी जाबो त हमर लईका बोलही के ददा तैं ह गोरिया हवस अउ हमन करिया हवन। बात अही मेर खतम नई होवय अभी मैं ह अउ बोलत हंव। अभी जतका झन आदमी बोले हे ओखर कोनों के घर मेंर प्लांट नई होही। हमर तीर म खुलत हवय। कानन पेण्डारी कतका दूर म हे, कोपरा जलाशय कतका तीर म हवय। अभी खुल जाही त पूरा करिया पानी कोपरा जलाशय म जाही ओ पानी ल अपन खेत म पलाई करबो त जेन थोड़–थाड़ धान होही ओ ह नई होवय पूरा खेत ह बंजर जमीन हो जाही। हमन काला खाबो सबे झन तो काम म स्टील प्लांट म जाए नई सकन अउ हमर लईका मन ह काम म थोड़े जाही हमन काला खाबो? हमन मर जाबो त आप मन थोड़ी बोलिहा। पहली वाला जमाना खतम हो गये हे। मोर बर काम करने वाला कोई नई हे। मैं सब से निवेदन करत हव ऐला मत खोलब। मैं 19 साल के लईका हव अभी हमरो लईका बच्चा होही मोर उमर के बहुत झन के होही त उमन का करही, कईसे करही, कईसे जीही, मैं अपन जिंदगी म स्ट्रगल करे हव अभी 12 वीं से निकले हवन 05–06 साल के अंदर म धुआं–धुआं हो जाही। का काम ल हमन करबो, खेती करबो त खेती हमर करिया पड़ जाही। खेती कईस करबो, खेती नई कर सकन। जेखर 05–10 एकड़ जमीन हे ओ मन का

करही बेचारा मन। शहर में ऐती 5000–6000 में रूम मिलत हे। सब ज्वाइंट फैमली हवय ओ ह कईसे रईही? उमन 5000–6000 देही त कमाही का? खाही का? उमन सब मर जाही अइसनहा म हम कइसे करबो। सब से आग्रह करथव हव जतका झन सुनत हव ओ मन से भी बोलना चाहत हव कि दूसरे के बहकावा म मत आवा, स्टील प्लांट म बहुत हानि होही। ये हमर गांव सकर्रा म बनत हे। झूठ बोल के चकरभाटा के एयरपोर्ट ल अतका दूरे बताये हे कि हमन भी खुद ओला नई समझ सकन तैं जाबे त कतेक दूरिया पडही? थोड़कन चकरभाठा से 01 किलोमीटर हे, ओला 11–12 किलोमीटर हे बताये हे। 25–30 किलोमीटर रेलवे स्टेशन ल बताये हे इतना झूठ बोल के चलही त ओखर विनाश होही अउ ओखर घर के आदमी मन मरही । हम तो मरबोच हे, अपन बर अपन प्रस्ताव रख सकत हन, इधर फर्जी–फर्जी साईन करके सब ल बुला लिये हे, हमर आवाज वहां तक जावत हे ओती का नोट होवत हे तेन ल कोन जानही? भगवान ही जानत हे। अगर भगवान हमर साथ देही त हमर गांव बच जाही अउ साथ नई देही त हमन कुछ नई कर सकन। नान कुन लईका 19 साल के अगर भगवान चाही त हमन 50–60 साल जीबो, स्टील प्लांट खुलही त 25–30 साल म मर जाबो।

63. **श्रीमती लक्ष्मीन सूर्यवंशी, ग्राम–सकर्रा** :– कोयला डिपो खुल चुके हे, दुबारा लोहा फैक्ट्री नहीं खुलना चाहिए। अभी तो पानी की समस्या है। पानी की बहुत परेशानी है। कोयला डिपो खुल चुका है व लोहा फैक्ट्री नहीं खुलना चाहिए। उसे बदले कोई भी चीज खोल सकते है।

64. **श्रीमती संध्या कौशिक, ग्राम–सकर्रा** :– हमर गांव म स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए। ऐखर बर मैं बहुत–बहुत–बहुत ज्यादा विरोध करत हव। काहे ये ज्यादा हानिकारक हे। पर्यावरण प्रदूषण होवत हे अउ सरकार बोलथे कि पर्यावरण बचावा, पर्यावरण ला बचावा, यहां के पर्यावरण बचाये के छोड़ के पर्यावरण के विनाश करत हे।

65. **श्री केवलराम कौशिक, ग्राम–सकर्रा** :– मैं ये प्लांट के विरोध करत हव। काहे के अभी जेन बबा मन हे उमन तो चल देही हमर उमर बाचे हे, आने वाला लईका मन रईही, मैं विरोध करत हव।

66. **श्री विशाल कौशिक, ग्राम–सकर्रा** :– मोर भाई मन बोलिसे हे और दीदी मन बोलिस हे प्लांट के सख्त विरोध करत रहीस हे। मैं भी समर्थन म हव अउ स्टील प्लांट के

सख्त विरोध करता हूँ। जैसा कि बाहर के भाई–बहनी मन आकर बोलिस हे कोपरा के आदमी मन बोलिस हे, सकरी के आदमी मन बोलिस हे, ये प्लांट खुलना चाहिए, हमका रोजगार मिलना चाहिए। रोजगार के और भी बहुत से साधन है जेखर से नुकसान नई हे लेकिन उमन आकर ऐखर सपोट करत हे रिजन यही है कि उमन पैसा पाये हे। अउ पैसा पाकर ही बोलत हवय। नुकसानी ल गांव के आदमी ही जानत हेके का नुकसान होही? अगर कोपरा के आदमी बोलत हे त कोपरा म जाकर खुले न भाई यहां काहे खुलही, प्लांट के सख्त विरोध करत हव।

67. **श्री अंकित कर्ष, ग्राम–सकर्रा** :– ये स्टील प्लांट खुले के मैं विरोध करत हव। काबर कि हम सबो किसान मन ल बहुत नुकसान होही, जेन अभी गर्मी म पानी के कमी होय हे तेन ल उमन आके देखे हवय का? जेन अभी बुटेना म कोयला डिपो खुले हवय ओमा ट्रक आके रास्ता ल भी जाम कर देथे अउ मुरू म भी खुले हे ओ मेर 05 मिनट तक खड़े होकर देखहा त पूरा करीया हो जाहा, लेकिन स्वास्थ्य ठीक रहय ऐखर बर हमर गांव म एक ठोक हास्पिटल खोला, जेमा सब कोई अपन इलाज करा सकय। अउ बिलासपुर शहर जाये के आवश्यकता मत पड़े काबर कि हर कोई के पास पैसा तो नई रहय, अउ जेन प्लांट ल खोलत हवय आप मन पूरा हमर गांव के मजदूर ल नई ले सका अउ जेन भाई मन सकरी से आकर बोले हे प्जांट खुलना चाहिए का अपन गांव म खोल के देखाही का? मोर कलेक्टर साहब से एक बात के निवेदन हवय कि जेन सकरी के भाईमन आकर बोले हवय प्लांट खुलना चाहिए उमन अपन गांव म खोल के दिखावय, ता हमू मन जा के सकरी म बोल सकथन कि हमन ल रोजगार के कमी हवय अउ रोजगार चाही। सकरी के भाई मन ल रोजगार के कमी हवय रायपुर, कोरबा, रायगढ़ चेन्नई, गुजरात इमन म बहुत सारे कंपनी हवय ओमा जाकर अपन फार्म ल एप्लाई कर सकथे अउ हमन सकर्रा गांव में स्टील प्लांट ल बने नई दे सकन काबर कि छत्तीसगढ म धान के कटोरा हवय ये धान के कटोरा ल स्टील प्लांट बना के छिन लेहा त हमन का जवाब देबो कि दूसर राज्य के छत्तीसगढ़ म घूमे आथे ओला हमन का जवाब देबो कि हमर छत्तीसगढ के महतारी धान के कटोरा अब धान के कटोरा नई हवय अब यहां एक स्टील प्लांट बन चुके हे। मैं विरोध करत हव कि स्टील प्लांट हमर गांव सकर्रा म नई बनना चाहिए।

68. **श्री अंकुश कुमार कर्ष, ग्राम–सकर्रा :–** मैं इस स्टील प्लांट का विरोधी हूँ, नहीं खुलना चाहिए। कल मैं नाईट में देखा था आटो चलाता हूँ। कल नाईट में मेरा बुकिंग आ गया डिलवरी वाला तो रात 11 बजे कुछ कंपनी से आये थे। कोई शराब

दे रहे थे, कोई पैसा दे रहे थे। मैं सभी से निवेदन करता हूॅ किसी भी कीमत में नहीं बिकना है। स्टील प्लांट को खुलने ही नहीं देना है।

69. **श्री मंगलू धनकर, ग्राम–सकर्रा** :– धान का बहुत नुकसान होगा। पानी की कमी होगी, प्लांट को पूरा बायकाट व बंद करना चाहिए। नई करेगा तो पूरा लईका से लेकर सियान तक मर जायेंगे? फिर क्या होगा बता देते हैं कि धान पूरा नुकसान हो जायेगा। अभी भी तो पूरा कोयला घर व खेत में आ रहा है। ये खुल जाएगा तो और क्या होगा?

70. **श्री अमन कौशिक, ग्राम–सकर्रा** :– मैं ये कंपनी का विरोध करता हॅू कि सकर्रा में कंपनी नहीं बनना चाहिए। मैं अभी कोल वॉशरी में काम भी करता हॅू लेकिन इस कंपनी का विरोध करता हॅू कि नहीं बनना चाहिए, लेकिन काम तो मैं दूसरे जगह कर सकता हॅू। अपने काम को छोड़ दूंगा अगर निकलना चाहता है तो निकाल दे। ये कंपनी नहीं बनना चाहिए।

71. **श्री लक्ष्मण प्रसाद धनकर, ग्राम–सकर्रा** :– मैं स्टील प्लांट के लिए बिल्कुल विरोध करता हॅू।

72. **श्री रामफल निर्मलकर, ग्राम–बुटेना** :– ये कंपनी खुले से बहुत जनधन की हानि हे। फसल के हानि हे। ऐखर नाम से महू विरोध करत हव कि कंपनी नई खुलना चाहिए।

73. **श्री रितेष कुमार कर्ष, ग्राम–सकर्रा** :– स्टील प्लांट नही खुलना चाहिए भाई पूर्ण विरोध है।

74. **श्रीमती गौरी लहरे, ग्राम–सकर्रा** :– इस साल पानी की बहुत समस्या हो रही है। निवेदन है कि स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए।

75. **श्रीमती शशि सूर्यवंशी, ग्राम–सकर्रा** :– मैं कलेक्टर सर से निवेदन करत हव कि स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए। मैं बार–बार कलेक्टर सर से निवेदन करत हव। यहां स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए।

76. **श्री हरप्रसाद कौशिक, ग्राम–खरकेना** :– ये स्टील प्लांट के संपूर्ण विरोध कर रहा हूॅ। स्टील प्लांट खुले से वातावरण दूषित होही, जल के दोहन होही। किसान मन ल पानी के लिए दर–दर भटकना पड़ही। गर्मी के समय में आप देखे हव पानी के कतका ज्यादा समस्या रहिस हे कि हमला दूर–दूर से टैंकर म पानी के व्यवस्था करना पड़त रहिस हे। ऐखर से हमर स्वास्थ्य म भी बहुत बड़े नुकसान होही। स्वास्थ्य तो खराब होही एक तो हमन समान्य किसान हन किसान के पास ऐसे भी बहुत समस्या रहिथे। शासन ह हमर धान के जो मूल्य देथे ओमा घर अउ परिवार के जो व्यवस्था हे नई हो सकय, त ऐकर से हमन ल बहुत बड़े ये परेशानी होही के धान काला पड़ही। मैं कलेक्टर महोदय से सनम्र निवेदन करत हव कि ये प्लांट ले खोलना हमर लिये नुकसान हे।

77. **श्री अभिलेन्दू गौरहा, ग्राम–सकर्रा** :– यहां गांव के लोग बैठे हैं उनसे मेरा कम्युनीकेशन करना बहुत जरूरी है। मैं छत्तीसगढ़ी में बात करना चाहता हूॅ। देखा अइसे हे कि आज हमला बुलाये गये हे कि हमन फैक्ट्री खुले के समर्थन में हन कि विरोध म हन। ये सवाल ही दूसरा नंबर म आथे। पहली नंबर में ये पूरा प्रक्रिया आथे। का ये जनसुनवाई वैध हे? त मैं आप मन ल बताना चाहत हव कि जहां तक मोर जानकारी हे मैं भी ई.आई.ए. रिपोर्ट पढ़े हव कि बड़े साहब महोदय यहां बैइठे हे बता दॅू ये जो आपकी जो प्रक्रिया है वो यही अवैध है, क्यों मैं बता रहा हूॅ कि सबसे पहले कोई भी जन सुनवाई करे बर ग्राम सभा के आयोजन करे बर पड़थे। ग्राम सभा में आदमी बैइठते, इन मन बताथे कि होना हे कि नई होना हे। ओखर डेट म काम होथे, आज तक के कोई ग्राम सभा नई कराये गये हे। जे येमन कागज लगाये हे ये ग्राम पंचायत के चार–पांच पंच के फर्जी दस्तखत करके हस्ताक्षर करके वो कागज ल लगाये हे। ओका अतका आदमी बुला करके जन सुनवाई कराये गये हे। देखिये आप प्रशासनिक अधिकारी है आप अपने कर्तव्य के पालन लिए मजबूर हो सकते है, पुलिस से सारे हमारे बडे भाई लोग है ये अपने कर्तव्य पालन के लिए मजबूर हो सकते है। आप लोग बल प्रयोग अधिकारी बन के कर सकते है, हम ग्रामीण बनके मार खाने के लिए तैयार है। हम अपना हक नहीं छोडेंगे बस हमको यही पता है। ये कंपनी इतना बड़ा आयोजन करा सकती है। सरकार को झूठ बोल सकती है। हमारी जनता को बहका सकती है। 15 दिन तक दिपावली और होली हर किसम का यहां त्यौहार मनाये हैं यहां के लोग हमने देखा है। यहां 04–05 लोग कंपनी के आये थे। आप बोलिये तो मैं विडिया फुटेज दूंगा। आप बोलिये तो मैं सारे सबूत दूंगा। आप आकर यहां क्या कर रहे थे? आप उनसे सवाल कीजिऐगा। गलती हमारी है हमारे लोग भी उसमें शामिल थे। पैसा पाये हैं

मैं किसी का नाम नहीं लूंगा। आप नाम बताईयेगा जिस समय बात होगा । सबसे बड़ी बात ये है कि आपने ये फर्जी प्रक्रिया कराई कैसे है? इसका मैं बिन्दुवार जानकारी देता हूॅ। एक जो पहले बता दिया था एक झूठे प्रस्ताव पर आप लोगों ने वाक्य बताया है। दूसरा सबसे बडा प्वाइंट होता है कि क्या आपके ई.आई.ए. रिपोर्ट में हाईकोर्ट का जिक्र है कि नहीं? मेरी आपत्ति है इसको अपराध कहा जा सकता है। आपने अपराध किया है आपने हाईकोर्ट का नाम नहीं लिखा है। फरवरी 2019 में बर्ड सेन्चुरी के लिए हमारा ये कोपरा डेम सलेक्ट हुआ है। क्यो नहीं आप जानवरो को रहने देना चाहते? अक्टूबर का महीना होता है कोई यूरोप से कोई अमेरिका से कहां–कहां से रहवॉसी पक्षियां आती है। मैं बर्ड लवर हूॅ, मेरे खेत के पास में वेट लैण्ड है जिसमें चिड़िया रहती है, पूछिये गांव वाले से मैं हाथ जोड़ता हूॅ ऐला झन मारे करा। कुकरा खा लेवा। मैं बोलता हूॅ वो चिड़िया कहां जायेगी? आप बताईये कहां जायेगी? आपके फैक्ट्री खुलने का विरोध नहीं है आपके तरीके का विरोध है। विरोध है जवाब भी बहुत जबरदस्त मिलेगा। आपने 16 किलोमीटर एयरपोर्ट में इसकी दूरी लिखा है, क्या यह सही है? बैठे हैं क्षेत्रीय अधिकारी, राजस्व के अधिकारी बैठे हैं। एक आदमी बोल दे सही है करके। 02 किलोमीटर जाबो त रोड़ नई हे। नौ–साढ़े नौ किलोमीटर फर्जी बता के आप मन बर्ड सेन्चुरी आप हटा दिये। हाईकोर्ट आपने मेन्सन नहीं किया। आपने पंचायत व गांव के साथ आपने धोखा किया। आपने गांव के अंदर एक वैमनश्यता फैला दी है। मैं अपने भाई को मुंह नहीं दिखा पा रहा हूॅ क्योंकि मेरा भाई जो समर्थन में खड़ा होगा तो मैं उससे पूछूंगा बता कल 19 तारीख का आपके जन सुनवाई पूरा हो गया का? हो सकत हे ओ मन सरकार से बात करे होही। ये कागज के बंडल धरे हव ये महोदय आपको भी दिखाना चाहता हूॅ। ये बंडल जो ये घर में बना के दिये है, जबकि ये कागज लूट रहे है, मार खा रहे है, गाली खा रहे है। पुलिस हमको गिरफ्तार कर रही है। हमर गांव के बात हे, हमर जीव के सवाल हे। ये सकरी के आदमी का करही मैं आपसे निवेदन करता हूॅ? सवा बारह बजें से पौने एक बजे तक के फुटेज को रिकार्ड किया जाये। मेरे को पता है यहॉ पर इसकी कोई जरूवत नहीं है। मैं सूचना आयोग से इसकी जानकारी निकालूंगा। वो फुटेज निकालूंगा सकरी से जो आये थे। वो अपना पहचान गलत बताये है। मैं चाहता हूॅ उनके उपर एफ.आई.आर. हो, ये गैर कानूनी कार्य कंपनी वालो ने किया है। इन्होंने प्रशासन के सामने झूठ बोला है। ये बोलते है ये जमीन को ये लिखे है ई.आई.ए. रिपोर्ट में लीज की जमीन है, डायर्सशन शाखा में कैसे डार्यवर्ट हो गया लीज की जमीन इसको कर सकते हैं क्या? आप ने लिखा है डायवर्सन शाखा में हो सकता है मैं गलत हूॅ। नाम भूल सकता हूॅ किसी ट्रस्ट की जमीन को आपने खरीदा है। आप बताईये कि ट्रस्ट की

जमीन क्या हैण्डओव्हर हो जाती ह? क्या बिक जाता है? मेरे को भी पता है कि ट्रस्ट क्या होता है? कानून ये कहता है कि कलेक्टर साहब सिरमौर रहते है, तो एक जमीन लेके दूसरा जमीन लेकिन विशेष परिस्थितियों पर लिया जाता है। आपने तो कोई परिस्थिति नही बनाई, हमसे जब जमीन लिये तो गांव वाले से तरफ मुंज नहीं कर रहा हूॅ कि मैं आप मन से पूछत हव गांव वाले जे दिन इमन आये रहिस हे यहां फैक्ट्री खोलबो करके जमीन लेबो सीधा कह दिस हे स्कूल आपने शुरू से गद्दारी किया है। आप हमारे छाती में खडे होकर खून नहीं पी सकते। हम मर जायेंगे झुकेंगे नहीं। पुलिस आप अपनी सुरक्षा के लिए इस जंगल के अंदर बैठे है साहब हमारे गांव वाले आपको छुयेंगे नहीं। आपका स्वागत करेंगे आप पुलिस क्या हमको डराने के लिए रखें है? चलाईये लाठी, चालाईये गोली विरोध तो विरोध ही रहेगा। लोग कितने झूठे है सब के उपर केस होगा आप सक्षम अधिकारी बैठे हैं। राजस्व के, एडीशनल कलेक्टर व पुलिस प्रशासन है और हमारे पूर्व टी.आई. तो है ही नहीं वर्तमान टी.आई. बैठे हैं। इसी मंच से इस सारे ग्रामीण को साक्षी मानकर मैं एफ.आई.आर. लिखवाना चाहता हूॅ। इतने सारे गैर कार्य कंपनी द्वारा किया जा रहा है। कंपनी प्रबंधन के ऊपर एफ.आई.आर. होनी चाहिए। ये जन सुनवाई पूर्णतः फर्जी है। हमको कभी विश्वास में नहीं लिया गया है। उस ई.आई.ए. रिपोर्ट को प्रत्येक ग्रामीणों को बताना था। इनका नुकसान क्या होगा? फायदा क्या होगा? आपको अवगत करा देता हॅू महोदय हर घर में कागज पहुंचा है कुछ महिलाये भी बैठी है। तुम लोगों को नौकरी मिलेगा तुम आ जाना। बताओ सब खड़े रहीस न कोस–कोस के गईस। नौकरी करा, रोजगार करा, कुछू करा एके ठीक फैक्ट्री हे का? तुमर बर बहुत कन रोजगार के साधन हे भाई । आपका स्वागत है उद्योगपतियों से कोई हमको नफरत नहीं है। आपके लिए जगह तो सिलपहरी में है। बिक गये होंगे जो बिके है। हम नहीं बिकेंगे। चाहे कुछ हो जाये हमारे गांव के लिए किसी भी नेता, किसी भी अधिकारी से संपर्क नहीं किया गया है। महोदया को बता देता हॅू कि गांव का सरपंच था मैं हार गया हॅू। मेरे से जिता है सरपंच श्याम वो यही बैठा है और होना भी चाहिए, हम लोग परस्पर विरोधी भले हैं लेकिन गांव के लिए एक हैं। यहां सभी लोग बैठे हैं सारे एक बात में एक हुये हैं कि सकर्रा को बचाना है और सकर्रा को बचाने के लिए अपनी व्यक्तिगत दुश्मनी को भूलसकते है तो हम कुछ भी कर सकते है। आप ताकतवार है आज जो कीजिए आप एफ.आई. आर. कीजिए। मैं आपसे यही आग्रह करता हॅू। जो सकरी से आये व झूठ बोल के अपना परिचय गलत दे के गया है। आप लोगों से निवेदन है कि इतना भी गलत मत कीजिए। आप किसी से पूछ लो कंपनी के 100 झन वर्कर होही उन्ही से जन सुनवाई करवा लो। हमर कने करवाये के का मतलब हे ऐ मेर बुला के लाठी मारे

के? उन्ही ल बुला लेते कर लेते गा। एक दिन पहले गांव वाले ल पता नई हे ऐ मेंर का जनसुनवाई होवत हे बाबू? एक झन बताईस हे के मोला नौकरी देही कह के मोला फार्म दे हे। पानी कम हो जाही 120 एच.पी. के 18 ठोक पंप चलत हे वहां। जे दिन तै खेत म रवि फसल बोवत जाबे, हमर गांव के कोतवार बैठा है, वर्तमान सरपंच बैठा है। मुनादी हमारे किसानों के लिए है की नहीं। रवि फसल नहीं बोये। रवि फसल बोने से यहां आकाल पड़ता है। वहां जो संयंत्र चलता है, बोर चलता है क्या वहां पानी का दोहन नहीं होता? समुचित दोहन होता है आपके यहा हम तो यहां खेत को देते हैं खुद पीते हैं जानवर को पिलाते हैं। ये गांव बिल्कुल भी बड़े लोगों का गांव नहीं है। सब झन भुईयां से जुड़े आदमी हे। जेन ल मिलना हे यही मिलना हे। मोर मरघट वो मेर हे तोर मरघट ये मेर हे। हमला नहीं जाना हे आप ल मारना हे त अईसनहे मार देवा। हमर लईका मन के शराप झन लेवा। आप न लेवा जो बाहीर से दाई–ददा आये हे, बैइठे हे हमन अपन वो बात करबो। वक्त सब के आथे। कल तुम्हरो गांव में कुछू चीज के बैठक होही। तेन दिन मत कईहा भाई आपको तो नौकरी का आश्वासन मिला है। किसी को शराब मिला है, किसी को पैसा मिला है समर्थन कर दो, विरोध यानि विरोध और विरोध विकास के लिए होगा। मेरा सख्त विरोध है। जो सवा बारह बजे से एक बजे तक कृपया ध्यान दे, सवा बारह बजे से एक बजे तक मैं तो निकालूंगा। वो फुटेज आप लोग से लूंगा। आपके परमीशन से लूंगा। आपके आदेश से लूंगा। बिल्कुल मैं कानून से उपर न मैं जाऊंगा न किसी को बोलूंगा कि आप कानून से ऊपर जाईये। कानून के दायरे में रहिये। उनकी फुटेज निकाल कर जिन लोगों ने अपनी पहचान गलत बता के यहां पर किया है बयान बाजी उन सब के ऊपर एफ.आई.आर. होगा और मैं आपसे पुनः निवेदन करता हूँ। इस अवैध कृत को कृपया संज्ञान में लीजिए। आप अच्छी जगह बैठ के हम लोग को देख रहे है। एक मिशाल बनीये। हमारे लिए, हमारे बच्चो के लिए एफ.आई.आर. कराईये। एक और बिनती आपसे है सबसे है महोदय इस विरोध को कोई प्रशासनिक अधिकारी अपना व्यक्तिगत विरोध मत समझीये। हम आप सभी का सम्मान करते है। संविधान का सम्मान करते है। मैं फिर से कहूंगा मेरा विरोध है। मेरा हमेशा के लिए इस फैक्ट्री का विरोध है। जो सकर्रा में खुलना चाहता है।

78. श्री रमेश कुमार गढ़ेवाल, ग्राम–अमसेना, वार्ड नं. 7 :– मैं कुछ बोलना चाहत हव। थोडा ध्यान से सुनिहव। वोमा थोड़ा गहन मंथन करे के बात हे। जतका फैक्ट्री खुलत हे कोल डिपो हो, कोल वॉशरी हो, चाहे स्टील प्लांट हो इमन गांव के जमीन ल आसानी से कब्जा कर लेथे। काबर हमन पढ़े–लिखे नई हन। पढ़े–लिखे नई हन हमरे बीच के बहुत बड़े आदमी है पैसा वाले ओला बहुत ही संभाल लेथे। वो जो

पढ़े–लिखे आदमी हे या जो पैसा वाला आदमी हे। गांव के आदमी ल गंवार समझथे। हमर बीच म वो दलाली करथे। आप खोलत हव यहां जो पहले से खुले हे। आप काहे शपथ नई लेवा के गांव ल, आस–पास के गांव ल मैं दस साल के लिए बना देथंव। यहां से आई.ए.एस. ऑफिसर, कलेक्टर बनाबो, एस.पी. बनाबो, ओखर लिये तो आज तक आये नई हव। आये भी हो तो यहां के जमीन ल बर्बाद कें बर। ये बात समझ में नई आवत हे। यहां वर्ग क्रमांक 04 से लेकर क्लास 01 तक के ऑफिसर हो। का आप मन चाहत हव कि हमर गांव के लईका मन जमीन म गड़ते रहय। दस साल आप शरण म ले लेवा भाई, इस गांव के आस–पास के लईका मन ल कलेक्टर, एस.पी. बनायेंगे कह के। इसके लिए आपके उसमें दम नहीं है, दम नहीं है फिर बर्बाद करने आये हैं। हमारी भारतीय संविधान ये कहता है, भीमराव अम्बेडकर जी कहते है पहले शिक्षित होईये फिर संगती छोडिये फिर संगत करिये। आप लोग शपथ लिजीए हमारे जो मुख्य अतिथि आये है। 10 साल जो आस–पास का एरिया है वहां के बच्चों को हम इंग्लिस मिडियम में पढ़ायेंगे, उसको एस.पी., डी.एस.पी., तहसीलदार और कलेक्टर बनायेंगे। उसके बाद आपके सहयोग से हम कुछ खोलेंगे। ये क्या है आप में दम, दम है तो आप माईक में शपथ लेते। शिक्षा स्तर, स्वास्थ्य स्तर को, जल स्तर को उपर उठायेंगे। उसके बाद आपके सहयोग से फिर आप जो कहेंगे वो खोलेंगे। इनको कहते है इंसानियत, इनको कहते है संविधान की तरफदारी करना। आप चमचा बनकर आये हैं मेरी बात आपको कड्ु लगेगी। आप विरोध करेंगे, मेरे नाम से एफ.आई.आर. करेंगे। एफ.आई. आर. करा सकते है आप पूर्ण हैं। आप सत्ता में खड़े हैं उनको खरीद सकते है। अपने जेब में रखे होंगे। हमारे जो मंचस्व में है जो हमारे जनसुनवाई में शपथ ले कि 10 साल तक आप हमारे बच्चों को, हमारे भाईयों को, हमारे बहनों को, हमारे बेटियों को पढ़ायेंगे और एक उच्च पद पर पहुंचायेंगे। उसके बाद आप आकर यहां एक जन सुनवाई के माध्यम से आप अपनी बात रखें। इसके बाद जो कलेक्टर बनेंगे, एस.पी. बनेंगे, डी.एस.पी. बनेंगे फिर वो निर्णय करेंगे कि आपको यहां करना क्या है? इंग्लिस मिडियम खुलवाईये ना यहां कौन मना करता है भाई। खुलवाईये यही इंसानियत है। शिक्षा के स्तर को उपर उठाईयें। हमारे जो लोग है भारत देश के लोग है वो विदेश में जाकर सर्विस कर लेंगे। आज अमेरिका में जा रहे है जापान में जाकर काम कर रहे है नाम रोशन हो ऐसा नाम कमाईये। बर्बाद कर रहें है यहां आप। इसके साथ ये प्लांट खुल रहा है उसका विरोध है।

79. **श्री रवि कुमार यादव, ग्राम–सकर्रा** :– मैं विरोध विरोध हूॅ।

80. श्री विन्दा प्रसाद कर्ष, ग्राम–सकर्रा :– मैं कुछ जानू नहीं लेकिन ये फैक्ट्री खुलत हे नहीं खुलना चाहिए। मेरा विचार है कलेक्टर महोदय जी से बार–बार आग्रह है ये फैक्ट्री को बंद कराने की कृपा करें। नौकरी, पानी, बिजली, सब की हम लोगों को समस्या है। ये फैक्ट्री खुलत हे बंद होना चाहिए।

81. डॉ. नंद कुमार कर्ष, ग्राम–सकर्रा :– मैं भारत के निवासी हंव। भारत में एक संविधान बने हे। संविधान म जो मैलिक अधिकार हे आम जनता ल विचार रखे बर संविधान के दाता डॉ भीमराव अम्बेडकर भी बोले हे, शिक्षा वो शेरनी का दूध है जो दहाड़ेगा। हम पढ़े लिखे व्यक्ति हैं जानबूझ के गलती नहीं करेंगे। हम ये प्लांट फैक्ट्री का विरोध करते है। इसलिए विरोध करते है कि हम पढ़े लिखे व्यक्ति है। हम जान रहे है इससे नुकसान होगा। हम आने वाले पीढ़ी को ऐसी दुर्दशा में नहीं देखना चाहते हैं। जब महाभारत काल में धृतराष्ट्र अंधा था, वो अंधा था लेकिन बहेरा नहीं था। बार–बार उसको बोले सब गलत हो रहा है, गलत हो रहा है, कोई उसका विरोध नहीं किये। आज हम बोल रहे है कि खुलना चाहिए कि नहीं खुलना चाहिए। जितने भी पत्रकार महोदय है उनसे मैं अनुरोध करूंगा कि मेरा बात शासन तक पहुंचना चाहिए। ये आम जन के हित में है ही नहीं, क्योंकि हमारे हित में होता तो एक स्वर में निकलता अच्छा है करके। सब विरोध दर्ज करा रहे है। इसलिए मैं अपना विरोध दर्ज करा रहा हूॅ। ये प्लांट नहीं खुलना चाहिए। ये गरीबों के हित में नहीं है। इससे पूरा सर्वनाश होने वाला है। मैं योग टीचर भी हूॅ योग सिखाता हूॅ। स्वस्थ्य रहिये। पास में फैक्ट्री खुल रहा है इससे इतना धुआं निकलेगा कि एक नाक से सांस लिजिए और दूसरे नाक से कोयला को अंदर करिये। ये सब हम नहीं कर सकते पढ़े–लिखे व्यक्ति है। आज इस भरे मंच से इस प्लांट का विरोध कर रहे है।

82. श्री आशुतोष पाण्डेय, ग्राम–करही :– तीन बार से मैं जनपद सदस्य हव। वर्तमान म सरपंच रहेव, आरक्षण के कारण चुनाव नहीं लड़ेव। साथियों मैं रोमबोड़ क्षेत्र से आथव रामबोड़ में अतका–अतका प्लांट खुले हे हमन भोगत हन। धान मन पूरा करिया पड़ जाथे। हमर सरकार धान करिया पड़ जाही त लेही नहीं। ये चीज ल हमन भोगे हन तब अतका करके गाडी म हमन आये हन। आप मन ल जागरूक करना हवय। आस–पास के 12–15 गांव प्रभावित होवत हे। यहां संख्या कितना दिखत हे मुश्किल से 05 गांव के आदमी आये हे। व्यापारीमन के बुलाये आदमी आये हे। आज तक के जनसुनवाई के व्यापक प्रचार–प्रसार नहीं हुये हे। ये जन सुनवाई के पहली बार विरोध करत हव कि आप आसा–पास तीन दिन तक के

मुनादी करके गांव मा पूरा प्रोजेक्ट के बारे में बताना हे लेकिन नई बताये गये हे , गुपचुप तरीके से जन सुनवाई करे हे। जईसनहा हमर भाई मन लंबा–चौंड़ा बात ल बताईस हे मुख्य बिन्दु म ध्यान आर्कषित कराके काबर आधा घंटा बचे हे बोलत हव। बहुत झन आदमी ल बोलना हे। जइसे भईया बताईस हे ग्राम सभा के अनुमोदन नई होईस हे। ग्राप पंचायत से गुपचुप तरीके से प्रस्ताव पास करा लिस लेकिन ग्राम पंचायत के सरपंच भी ऐखर विरोध म हे। वही कारण मैं आपत्ति करत हव अवैधानिक हे। दूसरा खेती मन के जमीन ल ले हे 30 वर्ष के लीज म, ओ ह 30 वर्ष के लीज फैक्ट्री बर कईसे लिये हे? खेती करे न खेती बर लिये हे त। कम पैसा म लिये हे किसान के जमीन ल खेती बर त ओ जमीन म खेती करय। मोला आपत्ति नई हे। तीसरा बिन्दु कहत हव अतका बड़ फैक्ट्री खुलही रोड के का स्थिति होही जब 50 टन, 60 टन, 70 टन गाड़ी आही त है? इतना मजबूत रोड के स्थिति ल बनावा जेन म क्षमता 100 टन गाड़ी चलय। फैक्ट्री के समान माल मटेरियल आही गांव मा ऐक्सीडेंट होही। रोड खराब होही ऐखर जिम्मेदारा कोन हे? तीसरा 18 गांव के ई.आई.ए. रिपोर्ट गांव वाले ल ग्रामसभा के माध्यम से गांव वाले ल जानकारी देना रहीसे हे। ओखरो जानकारी नई मिलें। ऐखर कारण मैं अपन आपत्ति दर्ज करत हव। तीसरा चीज पानी के दोहन भैया मन बताईस हे। खेती बर तो पानी नई मिलत हे। लंबा–चौडा इमन ल पानी चाहिए। जैइसे हमन के रामबोड़ के फैक्ट्री के मारे मनियारी नदी पूरा काला, लाल–लाल हो जाथे। गाय–गरूवा अउ हमन के अईसे स्थिति हे फसल म डालबे त फसल जलत हे ऐसी स्थिति हे। पानी के व्यवस्था नई हे। मैं फैक्ट्री के विरोध म खड़े हव। आपमन से कहत हव कि फैक्ट्री नहीं खुलना चाहिए, नहीं खुलना चाहिए।

83. **श्री मनीष श्रीवास, ग्राम–सकर्रा** :– माननीय ए.डी.एम. साहब मैं आप मन के बहुत स्वागत करत हंव। सकर्रा गांव म पूरा अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस विभाग सब बर्बाद करे बर आये हव। ऐखर बर सब से हाथ जोड़कर विन्रम स्वागत करत हव कि आप मन बर्बाद करे आये हव सकर्रा म। आप मन के स्वागत हे सर सकर्रा म स्कूल खोलव, कॉलेज खोलव, मेडिकल खोलव आप मन के सह सम्मान आपमन के हद्य से स्वागत करबो, लेकिन ये अन्याय हमन नई सहन। आप मन ए. डी.एम. हव पचासों जन सुनवाई म आप मन गये होवा सर। वो का चीज हे आप मन खोलवाथा? आप मन बढ़िया अधिकारी हव साहब। वहां बैठ के काजू–किशमिश ल खावा। यहां जबदस्ती आये बर जरूवत नई हे। का बर नई है जरूवत का बर नई हे जरूवत। हमर तो सुनवाई होते नई हे, भगवान जाने ये जैन बंधु बिहारी मन के कइसनहा विडियो रिकार्डिंग होवत हे। हमन का बोलत हन सब के सहमति नई

के। मैं लिख के देवत हव साहब अतका आदमी मन बोले हे नई खुलना चाहिए लेकिन आप मन के सहमति से खुल जाही। आप मन बेवकूफ मत समझा साहब आदमी मन ल अउ एतका पन हमर विरोध करना अतका पन आपमन ल खोलवाना हे त बहुत बड़े कैंपस हे जैन के कोल वॉशरी खुले हे ओमा। वहीं सब कोती के बिहरिया मजदूर ल लावा। ओही कती सबके सहमति ल करवा लेवा साहब। ये अतका आदमी ल बुलाय के का जरूरत हे? यहां आकर बोलथे कि खुलना चाहिए, खुलना चाहिए खोलवाये न सकरी, घुटकू म । हम सब गऐ रहेन साहब घुटकु म जैन वाले म भी गये थे साहब का होईस जनप्रतिनिधि मन बढ़िया आये रहीस। पुराना–पुराना जनप्रतिनिधि सब झन विरोध करथन। भगवान जाने का ई.आई.ए. विडियों रिपोर्ट बना के शो कर देथा सब के सहमति हे। का आप प्रशासनीक अधिकारी हस साहब मोर सच तुमला कड़वा लगत हे साहब अउ लगना भी चाहिए मोर शब्द कड़वा लगे से आप अधिकारी मन ल कुछ संज्ञान आही। मैं निवेदन करत हव साहब हाईकोर्ट खुले रहिस त राधा माधव स्टील प्लांट लोहा वाला रहिस हे आज हाईकोर्ट के नाम से बंद हो गईस। अधिकारी मन बस शुद्व हवा ल लेहा साहब। आपमन हमला कोयला के हवा देना चाहत हव का? आज हाईकोर्ट खुलिस हे त कोल डिपो बंद होईस हे अउ स्टील प्लांट बंद होईस हे राधा माधव मैं छोटे रहेव बचपन से जानत रहव। हाईकोट खुलही त बंद कर देही। बढ़िया से मेडिकल कॉलेज हमर कोती भी खुलवा देवा साहब। 04 ठीक कोल वॉशरी खुलही बो बंद हो जाही साहब। काबर ओती तुमन ओ चीज म ध्यान नई देवा, मैं आपसे निवेदन करत हव तुम्हर फैसला जो भी हो मंजूर होना चाहिए। वक्त हो इश्क हो या विरोध हो भरपूर होना चाहिए। भरपूर होना चाहिए। सर मैं आप मन से बहुत आशा के साथ निवेदन करत हव अउ विनम्र के साथ निवेदन करत हव ये सब गांव वाला ल आप मन बेवकूफ मत समझा साहब। कब तक बसा लेहा बिहरिया मन लाके, हमरे गांव में रहीस हे बिहरिया मन ल मैं तो खुला शब्द बोलत हव साहब सबसे ज्यादा क्राईम हे बिहार म का चीज बर हे? बताना चाहते हो। आज हम पानी बर लड़त हन। आज खोलवादेहा त पानी कहां ले आही। पानी के टंकी बनवा देवा। विनम्र निवेदन करत हव कि ये कोल स्टील प्लांट खुलत हे, आप मन के पाछू म का लिखे हे अंग्रेजी म लंद–फंद हमन तो अनपढ हवन। साहब एही ल हिन्दी म लिखा न ये स्टील प्लांट अतका मीटर म अतका क्षमता वो अंग्रेजी म लिखे हवय। क्या जानी अनपढ मन आप मन तो पढ़े–लिखे हव। ओला बढ़िया हिन्दी म लिखा। कोल वॉशरी स्टील प्लांट खुले हे ऐ ऐ चीज के फायदा होही। ओदे खोले हे कई ठोक रोड ल बनाथे का–का करथे। अभी लिख देथे साहब एयरपोर्ट हे, हाईकोर्ट हे अतका दूरी बना दिया तुमन गा। मैं दिखा दे थव खेत म धान लगे हे, रिपोर्ट करे

हे आप मन के पटवारी ह सब ल धान लिखे हे सब ल तुमन बंजर जमीन बतावत हव। तुमन अतका पढ़े–लिखे अधिकारी हव साहब, आप मन के शिक्षा पर भी सक–संका जाहिर होथे आप मन कहां से पढाई करे हा? एक तहसीलदार फर्जी–फर्जी रिपोर्ट बना देथे। मैं आप से निवेदन करत हव आवश्यकता अविष्कार की जननी है। जन सुनवाई है बोलने का हक है। एयरपोर्ट को आप 16 किलोमीटर लिखे है लेकिन जो भी अपवाद यहां के किसानो के लिए आवश्यकता अविष्कार की जननी है सर। मेरे को भी पता है स्टील प्लांट खुलेगा तो आदमी को नौकरी मिलेगा। सकर्रा गांव में काम की जरूवत नहीं है। साहब सनम्र निवेदन है कि परियोजना के बारे में बोल रहा हूॅ सर। इस स्टील प्लांट का सख्त विरोध है। मैं और आये पूरा जनता का विरोध है।

84. **श्री बंदे प्रसाद गढ़ेवाल, ग्राम–अमसेना** :– ये कंपनी नहीं खुलना चाहिए। जन सुनवाई अधिकारी से पूछना चाह रहा हूॅ कि ऐसा शिविर लगाने का तात्पर्य क्या समझते है? आप यू.पी.एस.सी., पी.एस.सी. का कोचिंग सेंटर क्यों नहीं लगाते? शिक्षा का स्तर लाओ ना। जनता को बेवकूफ बना रहें है। यहां फैक्ट्री खुलने से सभी समस्याओं को झेलना पड़ेगा। आस–पास के लोगों को जल–वायु प्रदूषण सभी समस्याओं से हमें गुजरना पडेगा। इसके खुलने से धान सोसायटी के नाम से काला सोसायटी मिलेगा। मंडी में नहीं लेगा काला है धान करके। कितनी समस्या को झेलेंगे हम लोग को पालेंगे क्या? हमारे बच्चों को पढ़ाओं न, निःशुल्क शिक्षा और कोचिंग सेंटर दो, कलेक्टर बनाओ, तहसीलदार बनाओ लेकिन कभी ये कंपनी नहीं खुलना चाहिए। हमारे जन मानस को बहुत खतरा है। हमें समय–समय पर जुझना पड़ेगा जल–वायु प्रदूषण की सारी समस्याओं से।

85. **श्री भीमराम सूर्यवंशी, ग्राम–सकर्रा** :– मैं इस पॉवर प्लांट का 100 प्रतिशत् विरोध करता हूॅ। नई खुलना चाहिए।

86. **श्री बिन्दा प्रसाद कौशिक, ग्राम–सकर्रा** :– आई.एम.ए.ई.सी. स्टील एण्ड पॉवर लि0 का पोस्टर लगा है, इसका मैं विरोध करता हूॅ क्योंकि पहले से कोयला प्लांट है। शासन से मैं ये अनुरोध करता हूॅ जनता को सुंदर खुशहाल बनायेंगे। रोज–रोज आकर बोलते हैं उनका ईलाज होगा, ईलाज होगा। ईजाल नहीं भैया यहां तो बीमारी आ रहा है। स्टील प्लांट आयेगा पानी में धूल जायेगा। काले–काले कोयला जमेगा, उस पानी को हम पीयेंगे, सेवन करेंगे, क्या होगा जनता बीमार पड़ेगी कि नहीं पडेगी? इतना बड़े–बड़े फैक्ट्री खुल गया है आस–पास मैं देखा हूॅ वहां जाता

हूँ गाड़ी चलाने के लिए पहले फैक्ट्री खुल गया तो रोड़ का मरम्मत करना चाहिए। आप ही जनता के लिए कहते है रोड़ बना रहे हैं। रोड़ के लिए वहां जा रहे है, यहां जा रहे है। रोड़ की दुर्गती को देखो, साईकल चलाने, पैदल चलने के लिए जगह नहीं है। पहले तो रोड का व्यवस्था उनको करना चाहिए। पहले तो हर गांव में पानी की उनको व्यवस्था करना चाहिए। पहले हर गांव में वहां की जनता को जाकर सक्षम बनाना चाहिए। इसके बाद अपने फैक्ट्री को वहां लाना चाहिए। ये जो कहते है ना फिल वाले यहां बुला लेते है, जन सुनवाई के लिए बुला लेते है लेकिन कितने बार जनसुनवाई में गये है? एक बार भी सुनवाई हुआ होगा तो पूछिये जनता से या आस–पास के गांव से क्या यहां तमाशा करने आते है। जनता इतना बेवकूफ लगता है आप लोगों को तो मैं आप लोगों से निवेदन करता हूँ। ये प्रकार के स्टील प्लांट का विरोध करता हूँ।

87. **श्री सहायक लाल यादव, ग्राम–सकर्रा** :– मोर एक लाईन म साहब विरोध हे भाई।

88. **श्री संजय कुमार कर्ष, ग्राम–सकर्रा, उपसरपंच** :– मैं ये कोल वॉशरी के स्टील प्लांट के विरोध में बोले बर आये हव।

89. **श्रीमती गायत्री रात्रे, ग्राम–उड़ेला** :– स्टील प्लांट नहीं खुलना है। गरीब आदमी के पेट बर सादा कंपनी खोला। गरीब आदमी–मजदूर के पेट पाले बर कुछ अच्छा सा खोला अउ छोटा–मोटा सादा ऐसी कंपनी खोल दो। उसमें हमारा पेट भी पलता रहे और कंपनी भी चलता रहे अउ सूचिंत्र रहना हे अउ ऐसे ही रहना चाजिए। धान, चांवल अउ पानी सब के व्यवस्था अच्छा रहना चाहिए। ऐसी कंपनी खोल लेवा के जेमा दूसरा करिया नई होवय।

90. **श्री अजीत कुमार गढ़ेवा, ग्राम–अमसेना** :– मैं स्टील प्लांट के विरोध म हव, नहीं खुलना चाहिए।

91. **श्री पंकज यादव, ग्राम–सकर्रा** :– स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए। इसका मैं विरोध करता हूँ।

92. **श्री श्यामता कौंशिक, ग्राम–सकर्रा** :– आज ये जन सुनवाई में जो कुछ होवत हे ओखर पूरा जन मानस विरोध करत हे। मैं प्रशासन से ये आग्रह करहंव के जन मानस की जो पुकार है ओका आप मन सुनकर के अउ ये जो जनसुनवाई होवत हे

वो विरोध म आप ये डिसीजन लेवा और हमर गांव में सबसे बड़ा समस्या ये हे के प्रदूषण बहुंत हे, अउ जनमानस प्रदूषण नहीं चाहत हे। आप ऐसे फैक्ट्री डालो जेमा कोई प्रदूषण नहीं हो। ओखर लिये ग्राम पंचायत तैयार हे, लेकिन ये प्रदूषण वाला फैक्ट्री कोई नहीं चाहत हे। बहुत–बहुत आग्रह हे मोर प्रशासन से कि ये फैक्ट्री को तत्काल रोका जाये व साथ ही ये जो जन सुनवाई होवत हे ये फर्जी तरीका से होवत हे। ऐखर भी जांच किये जाये कौन कहां से एनओसी लिये हे? ऐखर भी जांच किये जाये ताकि हमर पास ये आगे नहीं आना चाहिए कि पंचायत से एन.ओ.सी. मिले हे। प्रशासन से मोर बहुत आग्रह हे कि ऐला तुरंत रद्द किये जाये।

93. **श्रीमती लक्ष्मीन लहरे, ग्राम–सकर्रा** :– ये प्लांट नहीं खुलना चाहिए।

94. **श्री मुकुन्द, ग्राम–सकर्रा** :– इस प्लांट का फुल विरोध करता हूँ।

95. **श्री ओम प्रकाश मरावी, ग्राम–सकर्रा** :– मैं ये स्टील प्लांट का भरपूर विरोध कर रहा हूँ।

96. **श्रीमती लता कौशिक, ग्राम–सकर्रा** :– मोर मईके ज्यादा दूरीहा नई हे, अमसेना ह। मैं वहां भी रह सकत हंव अउ यहां भी रह सकत हंव। वहां भी प्रदूषण मिलही अउ यहां भी प्रदूषण मिलही। ऐखर सख्त मैं खिलाफ हंव भईयां, हाथ जोंड़ के बिनती हे बंद किया जाये।

97. **श्रीमती दुखनी बाई, ग्राम–सकर्रा** :– पानी के दिक्कत होथे त कंपनी नहीं खुलना चाहिए।

98. **श्री बृजेश कुमार कौशिक, ग्राम–सकर्रा** :– इस फर्जी जनसुनवाई का मैं विरोध करता हूँ। स्टील प्लांट का भी विरोध करता हूँ।

99. **श्री नीरज श्रीवास, ग्राम–सकर्रा** :– ये जो स्टील प्लांट खुलने जा रहा है उसका मैं विरोध करता हूँ।

100. **श्रीमती भगवती सूर्यवंशी, ग्राम–सकर्रा** :– फैक्ट्री नहीं खुलना चाहिए। पानी के लिए बहुत परेशानी उठाये हैं।

101. श्री रामसाहू, ग्राम–सकर्रा :– ये फैक्ट्री नहीं खुलना चाहिए। ऐखर से आदमी ल बहुत ज्यादा नुकसान हे।

102. श्री राकेश कुमार सारथी, ग्राम–सकर्रा :– मैं इस प्लांट का विरोध करता हूॅ। इससे खेत खलिहान व आस–पास के जल प्रदूषित होगा तो हम ये नहीं चाहते है कि ये प्लांट खुलेगा।

103. श्री प्रहलाद कर्ष, ग्राम–सकर्रा :– ये स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए। इसका मैं भरपूर विरोध करता हूॅ।

104. श्री घनश्याम यादव, ग्राम–सकर्रा :– सर मैं कुछ बाते कहना चाहूंगा कि हम उद्योगनीति के विरोधी नहीं है सर। उद्योग का स्वागत है, उद्योग खुलना चाहिए। उद्योग जहां लगना चाहिए वहां लगना चाहिए। खेती के जमीन को बंजर बताकर ई.आई.ए. रिपोर्ट तैयार करे हैं। मैं निवेदन करता हूॅ आप समय निकाल कर आये और फील्ड विजिट कर देखे जिस जमीन को ये बंजर बताकर उद्योग के लिए प्रस्तावित किये है, वह खेती की जमीन है। आज भी उसमें खेती होती है। हम जानते हैं पूरा–पूरा खेती लगा है। धान का दोनों फसल होता है। ये जो प्रक्रिया इन्होंने अपनाया है वो पूरा ही पूरा गलत है, क्योंकि ये जड़ ही कमजोर है रिपोर्ट ही गलत तरीके से बनाये है। इसलिए मांग करता हूॅ कि इसको स्थगित करके उनसे सारी रिपोर्ट फिर से तैयार करे और प्रक्रिया को दोहराया जाये। दूसरी बात आप सभी सर आये है। आप अधिकारी है हम आप सभी का सम्मान करते है। उत्साह या उतेजना में किसी ने आपको पर्सनली कोई टिप्पणी किया है उसके लिए मैं पब्लिक की ओर से क्षमा चाहता हूॅ लेकिन आप सभी से मैं आग्रह करता हूॅ कि आप इंसानियत के नाते गांव को देखेंगे तो हो सकता है हमारा कागज कमजोर हो, लेकिन आप ये चीज को देखेंगे, कितने लोग आपके सामने आकर उत्साह से बोल रहे है कि विरोध कर रहे है, आप भी हमारे जनमत को अहमियत देंगे और इसको रिकार्ड करके आप सही जगह इसको प्रस्तुत करेंगे। इतना मैं आशा करता हूॅ व साथ ही मेरा एक और शिकायत है सर कल रात को हम अचानक से निकले थे पता चला कुछ लोग यहां पे कल रात में ही जनमत कराने का कोशिश कर रहे थे। रात में ही लोगों से साईन करा रहे है। रात में ही लोगों को पैसा का प्रलोभन व दारू का प्रलोभन सामान देकर इस प्रक्रिया को कराने का कोशिश किये थे। बाहर से लोग लाये थे गांव के लोगों का नाम पता लिख लिये थे। उनको जमा करने के

प्रक्रिया इनकी थी जो आज विफल होते नजर आ रहा है। इससे सर मैं आपसे पर्सनल रिकवेस्ट करता हूॅ कि अगर ये प्रक्रिया गलत है। आप के समक्ष आ गया है आप स्वत संज्ञान लिजिए और उन पर एक्शन लिजिए और एफ.आई.आर. कीजिए। पुनः एक बार बोलना चाहता हूॅ कि इस प्रक्रिया को दोहराया जाना चाहिए। हम किसी भी उद्योगों के विरोधी नहीं है। उनके जगह पर खुले, उद्योग पार्क में खुले, इण्डस्ट्रीयल पार्क में खुले गांव के खेती जमीन में नहीं खुलना चाहिए। यहां सकर्रा में जो उद्योग प्रस्तावित हुआ उसका पूरा विरोध करता हूॅ, हमेशा विरोध करूंगा। इससे हमारे आने वाली पीढ़ी भी प्रभावित होगी। इसलिए इसका मैं पूरा विरोध करता हूॅ, पूरा विरोध है।

105. **श्री विश्राम कौशिक, ग्राम–बेलमुण्डी** :– ये स्टील प्लांट का जो जनसुनवाई है। उस पर मेरा साटकट विरोध ही है। पर्यावरण को ध्यान में रखे। जल एवं वायु प्रदूषण पर ध्यान नहीं दिया जाता है। तो मेरा राय है ऐसे चीज खुले जो जन हानि ज्यादा न हो। मैं विरोध करता हूॅ।

106. **श्रीमती फगनी बाई सूर्यवंशी, ग्राम–सकर्रा** :– कंपनी यहां नहीं खुलना चाहिए।

107. **श्रीमती संतोषी लहरे, ग्राम–सकर्रा** :– यहां फैक्ट्री नहीं खुलना चाहिए। यह कंपनी नहीं खुलना चाहिए, नहीं खुलना चाहिए।

108. **श्री सियाराम साहू, ग्राम–सकर्रा** :– जो भैया बोलिस हे वॉशरी मेर के खेत ल जा के देखा लेवा चार ठोक खेत पड़ही ओखर बाद समझियां, दोनों खेत म धान लगे हे, मैं अतके विनम्र करथव कंपनी नहीं खुलना चाहिए। ऐ मारे पूरा टोटल धान काला होये हे नहीं तो यहां के कर्मचारी ल भेज देवा और पूछ लेवा।

109. **श्री सतीश साहू, ग्राम–सकर्रा** :– सर ये जो स्टील प्लांट खुल रहा है उसका मैं पूर्णतः विरोध करता हूॅ और जो फर्जी एन.ओ.सी. लिये है उसका खिलाप तत्काल मैं कार्यवाही का मांग करता हूॅ।

110. **श्री परदेशी राम सारथी, ग्राम–सकर्रा** :– मैं इस प्लांट का विरोध करता हूॅ और जन सुनवाई का भी विरोध करता हूॅ।

111. **श्री राज गोविंद सूर्यवंशी, ग्राम–सकर्रा** :– प्लांट का विरोध करता हूॅ।

112. श्री बैसाखूराम, ग्राम—अमसेना :— मैं इस फैक्ट्री का विरोध करता हूँ क्योंकि प्रदूषण बहुत ज्यादा होगा। कोल वाशरी का टोटल पानी ग्राम पंचायत अमसेना में जाता है। इसका भी अमसेना में जायेगा। मैं इसका विरोध करता हूँ।

113. श्री रामनिवास कौशिक, ग्राम—सकर्रा :— मैं इसका विरोध करता हूँ।

114. श्री विनोद मानिकपुरी, सरपंच, ग्राम—अमसेना :— इस फैक्ट्री का विरोध करता हूँ और हमारे गांव से सब इसका विरोध करते हैं। सब लोग तो आ नहीं पाये उसके वजह से मुझको भेजा गया है। हम सब लोगों का विरोध है और कोई अमसेना से आया होगा यहां समर्थन के लिए वो सब फर्जी है। मैं यहां बैठा था हम उनको पहचानते भी नहीं हैं और बोला है अमसेना का हूँ। इसका ध्यान दीजिऐगा सर यहां सब विरोध ही है और यहां सकर्रा के भाई लोग का भी विरोध है। जो समर्थन में है वो फर्जी है।

115. श्री नंदराम साहू, ग्राम—सकर्रा :— सर ये जो स्टील प्लांट खुल रहा है टोटल फर्जी है। यह सकर्रा पानी के लिए बहुत तरस जायेगा। ये बिल्कुल रद्द हो।

116. श्री रामकुमार कौशिक, ग्राम—बेलमुण्डी, पूर्व सरपंच :— मैं स्टील प्लांट का सख्त विरोधी हूँ क्योंकि हमारे गांव में कोल वॉशरी उनके द्वारा संचालित है और वहां प्रदूषण को देखते हुए, पानी की व्यवस्था, रोड़ आदि इनके द्वारा नहीं किया जाता। बार—बार बोलने के बाद भी ध्यान नहीं दिया जाता। मैं स्टील प्लांट का सख्त विरोधी हूँ। पानी व प्रदूषण का दोहन करेगा क्योंकि यह क्षेत्र कृषि प्रधान क्षेत्र है व कृषि प्रधान क्षेत्र को हमें बर्बाद नहीं करना है। उनको खोलना है हम उनके विरोधी नहीं है स्टील प्लांट का लेकिन ऐसी जगह खोले जहां पर बंजर जमीन हो, उपजाऊ जमीन न हो और जहां पर कृषि का उत्पादन न होता हो ओ ऐसे जगहों का चयन करें। जहां स्टील प्लांट व पॉवर प्लांट की जरूवत रहे। उसको यहां स्वीकृति नहीं दिया जाये। मैं पर्यावरण विभाग से यही अनुरोध करूंगा।

117. श्री प्रहलाद कुमार साहू, ग्राम—सकर्रा :— मैं स्टील प्लांट खुलने का संपूर्ण विरोध करता हूँ। ये जो जन सुनवाई हो रहा है गलत तरीके से हो रहा है। कृपया इसका जांच करें।

118. श्री भोलानाथ तिवारी, ग्राम–मुरू :– ये प्लांट खुले तो बाहर खुले। ये आस–पास का खेत बंजर हो जायेगा। इसका मैं विरोध करता हूॅ।

119. श्री गोपाल प्रसाद साहू, ग्राम–बेलमुण्डी :– इस पॉवर प्लांट का मैं विरोध करता हूॅ।

120. श्री टिकेश्वर कौशिक, ग्राम–बेलमुण्डी :– सर ये जो मेसर्स आई.एम.ए.ई.सी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड, ग्राम पंचायत–सकर्रा में खुलने वाला है उसका मैं पूर्ण रूप से विरोध करता हूॅ, क्योंकि इसके पहले इसी जमीन बेलमुण्डी में महावीर कोल वॉशरी करके इनके ग्रुप का दूसरा कोल वॉशरी प्लांट संचालित है, लेकिन उसमें बहुत सारी खामियां है सर खामियों को देखते हुए ऐसा लगता है कि प्लांट को खुलने से रोका जाये। वर्तमान में पर्यावरण की स्थिति बिल्कुल भी अच्छी नहीं है। आस–पास के पेड़–पौधे व खेतों को आप देखेंगे तो उसमें पूरा काला जम गया है व साथ ही साथ सबसे बड़ी बात रास्ता का है, अभी तक मेसर्स महावीर कोल वॉशरी वाले उसी से आना–जाना करतें हैं। अभी तक मनरेगा का रास्ता है उसी रास्ते से आना–जाना कर रहें हैं। खुद इनके पास एक परमानेंट बड़ा रास्ता ही नहीं है। जिसके कारण कोयला का डस्ट आस–पास गिरता रहता है व साथ ही इसके साथ वो कोक प्रोडक्ट्स बहुत सारे डिपो आये हे। बहुत ज्यादा प्रदूषण उनके कारण होता है। जितना प्रदूषण ये नहीं फैलाते उतना प्रदूषण डिपो वाले फैलाते हैं। पर्यावरण को बचानें के लिए पेड़–पौधों को लगाने की रही बात पेड़–पौधों को लगाने के लिए आज तक कभी कोई कार्यक्रम नहीं चलाया गया है। पर्यावरण को लेकर पेड़–पौधों को लगाने का काम नहीं किया गया है। पेड़–पौधे लगाये नहीं गये हैं। इसमें दो–तीन चीज बाते कहीं गई है। नदी के बारे में बताया गया है मनियारी नदी और घोंघा नदी के बारे में इसमें बताया गया है जैसे भईया अमलेन्दू जी बोल रहे थे नदी की दूरी ज्यादा है जहां से इनका वॉटर रिसोर्सेस दिखाया गया है, जबकि ऐसा नहीं है वॉटर रिसोर्सेस इनका ग्राउंड वॉटर है। जब से हमारे गांव में ये प्लांट खुला है हमारे गांव का जो वॉटर लेवल था, बेलमुण्डी, सकर्रा या आसपास के गांव का मुश्किल से 100 से 120 फीट में पानी रहता था। लेकिन आज 250 से 300 फीट तक में पानी हमें देखने को नहीं मिलता है। गर्मी के दिन में ऐसी स्थिति रहती है कि 400 फीट तक चला जाता है। गांवों के आस–पास व गांवों के बोर लगभग सूख जाते है और टैंकर भी मंगाना पड़ रहा है स्थिति ऐसी आ जाती है। उसके बाद एयरपोर्ट के बारे में कई लोग ने भी उल्लेख किया है कि 16 किलोमीटर की दूरी पर रिपोर्ट मे दिखाया गया है उस समय जबकि ऐसा नहीं है। अगर हम एयर डिस्टेंट देखते है तो मुश्किल से ये 08 से 09 किलोमीटर की दूरी में है। इसमें

सबसे महत्वपूर्ण है हाईकोर्ट को दिखाया नहीं गया है, जबकि हाईकोर्ट के कारण सब जानते है कि राधा माधव स्टील प्लांट हुआ करता था ओ बंद हो गया है व उसमें प्रदूषण न हो करके राधा माधव स्टील प्लांट को हटा दिया गया। हाईकोर्ट को अनदेखा करके या हाईकोर्ट को छुपा करके शासन को गुमराह करके स्टील प्लांट का पॉवर प्रोजेक्ट यहां पर लाया जा रहा है। इसके बाद है कोपरा जलाशय, कोपरा जलाशय न केवल छत्तीसगढ़ में अपितु पूरे भारत देश में अपने पक्षी विहार के कारण प्रसिद्ध है व विशेष रूप से विदेश से आने वाले विदेशी पक्षी के कारण ये जगह सब को आर्कषित करता है। हम लोग देखते हैं कि प्रवासी पक्षीयों का पक्षी विहार है जो धीरे–धीरे उजड़ता जा रहा है सर। मेसर्स महावीर कोल वॉशरी के खुलने के पहले बेलमुण्डी में स्टैण्डिंग बर्ड आया करते थे जो कि इतना फेमस था कि उसको देखने के लिए अन्य जिलो से भी लोग आते थे, लेकिन जब से मेसर्स महावीर कोल वॉशरी खुला तब से बर्ड सेन्चुरी था ओ पूरा के पूरा सब गायब हो गया। आज तक वो बेलमुण्डी में वापस नहीं आया। उसके बाद सब उद्योग के बारे में बताया भी है। इस तरह से हम लोग देखते है कि कहा कुछ जाता है किया कुछ नहीं जाता है। कथनी और करनी में बहुत बड़ा अंतर होता है। अगर इनको करना ही है तो कृपया करके मेरा हाथ जोड़कर के प्रार्थना है फैक्ट्री वालो से व शासन से भी कुछ ऐसे उद्योग की तरफ हम जाये जो पर्यावरण मुक्त हो, पर्यावरण को हानि न पहुंचाये, ऐसे उद्योग हो जो पर्यावरण को अच्छा करें। पर्यावरण के उपर इनके द्वारा एक विशेष अभियान चलाकर गांव के आस–पास पर्यावरण को सुधारने के लिए लाखों व हजारो की संख्या में पेड़ लगाने का एक ड्राईव चलाया जाये उसके बाद ही ऐसे फैक्ट्री और अन्य उद्योगों को आगे बढ़ाये। कोल वॉशरी से अभी तक प्रदूषण हो रहा है उसके ऊपर भी कोई ध्यान नहीं देता है फिर से बोल रहा हूॅ रास्ता नहीं है। कच्चे रास्ते से ही सब लोग जाते है। मनरेगा के रास्ते से ही जाते है। खुद का अभी तक रास्ता नहीं बना है। सबसे पहले रास्ता सुधारे रास्ता छोटा होने के कारण ट्रकें हिलती रहती है। उससे जो डस्ट गिरता है कोयला गिरता है जो आस़–पास के खेतों में जाता है। इसका खुद का एक इको सिस्टम हो। उसके बाद ही इस जगह पर प्लांट लाये।

121. **श्री प्रभु कुमार कौशिक, ग्राम–बेलमुण्डी** :– मैं पॉवर प्लांट का विरोध करता हूॅ।

122. **श्री लखन कुमार कौशिक, ग्राम–सकर्रा** :– ये जन सुनवाई भी फर्जी है, जिसको रद्‌द किया जाये साथ ही साथ पॉवर प्लांट को भी रद्‌द किया जाये।

123. **कु0 मोनिका सर्यूवंशी, ग्राम–सकर्रा** :– स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए।

124. **कु0 नीतू सूर्यवंशी, ग्राम–सकर्रा** :–स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए।

125. **श्रीमती रामेश्वरी सूर्यवंशी, ग्राम–सकर्रा** :– स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए।

126. **श्रीमती सोनिया सूर्यवंशी, ग्राम–सकर्रा** :– स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए।

127. **श्री विजय कुमार कर्ष, ग्राम–सकर्रा :–** इस प्लांट का विरोध करता हॅू। ये हमारे गांव में नहीं खुलना चाहिए।

128. **श्री सुरेन्द्र प्रसाद, ग्राम–सकर्रा** :– स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए। इसके लिए मैं विरोध करता हॅू।

129. **श्री दीपक कुमार कर्ष, ग्राम–सकर्रा** :– ये जो खुलने वाला है स्पंज आयरन उसका मैं पुरजोर विरोध करता हॅू।

130. **श्री राजकुमार विश्वकर्मा, ग्राम–सकर्रा** :– इस स्टील प्लांट का पूरा विरोध करता हॅू।

131. **श्री महावीर कौशिक, ग्राम–सकर्रा** :– ये स्टील प्लांट का विरोध कर रहा हॅू।

132. **श्री राजकुमार निर्मलकर, ग्राम–सकर्रा** :– इस जन सुनवाई का विरोध करता हॅू और स्टील प्लांट का विरोध करता हॅू।

133. **श्री द्वारिका प्रसाद कर्ष, ग्राम–सकर्रा** :– जो प्लांट खुल रहा है। भैंसाझार का नहर है, कोपरा बांध का जलाशय है। जलाशय को बंद कर दिया, नहर को पूरा खत्म कर दिया है। प्लांट खोल रहा है प्लांट का तो मैं विरोध करूंगा। अभी सरकार छत्तीसगढ़ीया का है। यहां पर एक बार और जन सुनवाई हो चुका है, अमसेना ग्राम का वहां फिर कैसे इसको परमीशन मिल गया। सब विरोध किये थे यहां तक नहीं आगे दिल्ली तक पहुंचाना है। हम लोग विरोध दर्ज करा रहें हैं।

134. **श्री संतोष कौशिक, ग्राम–सकर्रा** :– इस पॉवर प्लांट का विरोध करता हूँ नहीं खुलना चाहिए। सर से निवेदन करता हूँ, नीचे में भी नहर है व ऊपर में भी नहर है। कैसे उसको दे दिया गया? भैंसाझार वाला भी आ रहा है, नीचे भी कोपरा बांध का नहर है, कैसे उसे जमीन दिया गया है। विरोध है।

135. **श्री बहोरन कर्ष, ग्राम–सकर्रा** :– मैं प्लांट का विरोध कर रहा हूँ।

136. **श्री मूलसिंह खम्हान, ग्राम–सकर्रा** :– मैं प्लांट का विरोध करता हूँ।

137. **श्री गोपी यादव, ग्राम–सकर्रा** :– स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए। इसका विरोध करता हूँ।

138. **श्री गणेशराम धनकर, ग्राम–सकर्रा** :– ये फैक्ट्री का विरोध करता हूँ।

139. **श्री अवधेश कुमार तिवारी, ग्राम–सकर्रा** :– ये जो फैक्ट्री खुल रहा हूँ इसका प्रत्यक्ष रूप से विरोध करता हूँ। ये अगर फैक्ट्री खुलती है तो गांव में पानी व प्रदूषण की बहुत समस्या होगी। इसलिए इस फैक्ट्री को न खुलने दें।

140. **श्री लव कुमार कौशिक, ग्राम–सकर्रा** :– मैं इस प्लांट का विरोध करता हूँ।

141. **श्री प्रदीप कुमार कर्ष, ग्राम–सकर्रा** :– स्टील प्लांट के विरोध करत हव।

142. **श्री विद्यासागर कौशिक, ग्राम–बेलमुण्डी** :– मैं इस प्लांट का विरोध करता हूँ।

143. **श्री उदय श्रीवास, ग्राम–सकर्रा** :– ये स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए, नहीं खुलना चाहिए।

144. **श्री राम कुमार कौशिक, ग्राम–सकर्रा** :– स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए, नहीं खुलना चाहिए।

145. **श्री शैलेन्द्र कुमार साहू, ग्राम–सकर्रा** :– स्टील प्लांट खुल रहा है विरोध करता हूँ ये फर्जी तरीके से हो रहा है।

146. श्री कन्हैया लाल सूर्यवंशी, ग्राम–सकर्रा :– इस पॉवर प्लांट का विरोध करता हूँ और जन सुनवाई का भी विरोध करता हूँ।

147. श्री दशराम केंवट, ग्राम–सरसेनी :– प्लांट नहीं खुलना चाहिए।

148. श्री अमरचंद यादव, ग्राम–सरसेनी :– ये फैक्ट्री को बंद करने का सही समय है भाई।

149. श्री भागवत ध्रुव, ग्राम–उड़ेला :– ये जो स्टील प्लांट खुलत हे सख्त विरोध करत हव, काबर कि ये जो सकर्रा के लड़ाई नो हवय ये हमारे पूरा हमर क्षेत्र के लड़ाई हे। अब आवाज नई उठाहा त का चीप म आवाज उठाहा? कल परदेशिया मन हमला आकर चार जूता मार देही त वो दिन बर चुपचाप देखत रहिबो का? ये हमर कड़ा से कड़ा संदेश है कि आवाज उठावा। खुद अपन समझ कर लड़व जेमा शासन प्रशासन तक के हमर आवाज पहुंचना चाहिए, काबर कि आज हमन चुप–चाप बैठबो त कल ये ह हमला जरूर नीचा दिखाही, काबर ऐमा तो परदेशिया मैनेजर अउ परदेशिया ही सुपरवाईजर रखही। त हमर छत्तीसगढ़ के भाई मन सिर्फ कुली–कबाड़ी करबो। इससे ज्यादा कोई कुछ नहीं करेंगे।

150. श्री गणेश राम ध्रुव, ग्राम–उड़ेला :– छत्तीसगढ़ के जमीन ह हमर महतारी आए। युवा हमर पुर्खा–पीढ़ीमन, बुजुर्ग मन कमा के ये जमीन ल बचाये रखे रहिस हें। आज भी बचा के रखबो तभी हमर युवा पीढ़ी मन आगे बढ़ही। ये जमीन ल देबे त बिगड़, हम कहां जाबो? एक ठोक बात आउ हे सकर्रा खार म दो ठोक प्लांट खुलत हे, कोल डिपो से आने–जानें वाले लईका मन ल बहुत दिक्कत जाथे। जो उड़ेला म प्लांट खुलत हे कोयला डिपो और इसी पार खुलत हे तेनो बेकार हे, अउ यहू बेकार हे। काबर छठवीं पढ़त हे साईकिल चलाए बर जानत नई हे, दोनों पार टेलर आ जाथे त लईका मन ह हड़बड़ा जाथे। ये कोयला डिपो ल बंद करव। ये स्टील प्लांट नहीं लगना हे।

151. श्रीमती सावित्री सूर्यवंशी, ग्राम–सकर्रा :– प्लांट नई खुलना चाहिए, नई खुलना चाहिए।

152. श्रीमती सुष्मिता तिवारी, ग्राम–सकर्रा :–यहां पर स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए। वातावरण प्रदूषित होगा। इसके बदले कुटीर उद्योग खोल दिया जाये। सड़क भी बच्चों लोग के लिए जरूरी है। आज तक के बना नहीं है।

153. श्रीमती सुनीता सूर्यवंशी, ग्राम–सकर्रा :– सकर्रा म प्लांट नहीं खुलना चाहिए। प्लांट के जगह म कोई भी स्कूल खुल जाये।

154. कु0 ज्योति सूर्यवंशी, ग्राम–सकर्रा :– यहां स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए। हास्पिटल और स्कूल खुल जाना चाहिए।

155. श्री पुन्नीलाल यादव, ग्राम–खजरी :– मैं ये चाहता हूॅ कि प्लांट नहीं खुलना चाहिए।

156. श्रीमती नेमा, ग्राम–सकर्रा :– प्लांट नहीं खुलना चाहिए।

157. श्रीमती मुन्नीबाई, ग्राम–सकर्रा :– स्टील प्लांट नई खुलना चाहिए, नई खुलना चाहिए।

158. श्री लालसाय, ग्राम–खजरी :– ये कंपनी नहीं खुलना चाहिए, नई खुलना चाहिए।

159. श्री समारू मरावी, ग्राम–खजरी :– ये कंपनी स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए।

160. श्रीमती लता साहू, ग्राम–सकर्रा :– स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए।

161. श्रीमती संतोषी साहू, ग्राम–सकर्रा :– स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए।

162. श्री मनोज, जिलाअध्यक्ष, ग्राम–सकर्रा :– मैं शारीरिक परेशानी के कारण ज्यादा नहीं बोल पाउंगा आवेदन देना चाहूंगा। विरोध है।

163. श्री दीपक कुमार, ग्राम–अमसेना :– मैं इस प्लांट का सीधा–सीधा विरोध करता हूॅ। यहां आये सभी लोगों का लगभग विरोध रहा होगा। मैं इन माताओं–बहनों से पूछना चाहूंगा क्या आप प्लांट खुलवाना चाहते हैं और हम लोग चाहते हैं कि ये प्लांट नहीं खुले और अधिकतर लोग बोल रहे है कि प्लांट नहीं खुलना चाहिए, नहीं

खुलना चाहिए। अगर आगे खुलता है तो उस पर हम आम जनता द्वारा भी एक्शन लिया जायेगा। उसकी जवाबदारी शासन या प्रशासन की होगी।

164. **श्री कृष्ण कुमार, ग्राम–सकर्रा** :– इस लोहा फैक्ट्री का विरोध करता हूँ। विरोध करता हूँ।

165. **श्रीमती लता सूर्यवंशी, ग्राम–सकर्रा** :– प्लांट नहीं खुलना चाहिए।

166. **श्री आयुष गौराहा, ग्राम–सकर्रा** :– मैं इस गांव का एक छोटा सा किसान हूँ, ये जो स्टील फैक्ट्री खुल रहा है। मेरे खेत से जस्ट दो–तीन खेत उस पार है। ये खुल गया तो हमारे जैसे लगभग 100–200 उससे भी ज्यादा किसान एक दाना धान लु नहीं पायेंगे। इससे जीवन जीना एकदम दुर्भर हो जायेगा। हमें खेती को छोड़कर बाहर मजदूरी करने जाना पड़ेगा। इसलिए मैं चाहता हूँ कि स्टील फैक्ट्री न खुले इसका हम लोग पुरजोर से विरोध करते हैं सर।

167. **श्री आशीष कौशिक, ग्राम–सकर्रा** :– इस फैक्ट्री का पूर्णतः विरोध करता हूँ, मेरा भी व्यवसाय कृषि है। इसलिए मेरा विरोध है, संपूर्ण विरोध है।

168. **श्री आनंद कुमार साहू, ग्राम–सकर्रा** :– प्लांट नहीं खुलना चाहिए। नहीं खुलना चाहिए।

169. **श्री इन्द्रेश कुमार मरावी, ग्राम–सलफेली** :– मैं इस प्लांट का विरोध करता हूँ क्योंकि इस प्लांट के खुलने से आसपास के जितने भी पर्यावरण खराब हो जायेगा। मैं इस प्लांट का विरोध करता हूँ, विरोध करता हूँ।

170. **श्री भागीरथी, ग्राम–उडेला** :– स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए।

171. **श्री तोरन कुमार कौशिक, ग्राम–खरकेना** :– इस प्लांट का विरोध करता हूँ।

172. **श्री रंजीत कुमार कौशिक, ग्राम–बेलमुण्डी** :– मैं इस स्टील प्लांट का विरोध कर रहा हूँ पूर्ण रूप से क्योंकि मेरे गांव में अभी कोल वॉशरी खुला है, इसके कारण से अस्थमा, कैंसर असाध्य रोग हो रहे है। खुलने के समय में बोला गया था कि हम लोग आपके गांव के लोगों को 90 प्रतिशत रोजगार देंगे आज वर्तमान में वहां पर

15 लोगों को रखा गया है ओ भी लेवर के पद में जो 8000 से 10,000 रूपये का काम कर रहे है। उससे ज्यादा 36 एकड़ जमीन को लिया है। उससे ज्यादा तो हम लोगों का रोजगार खेती से हो जाता। इसलिए मैं बोल रहा हॅ कि ऐसे प्लांटों का पूर्ण रूप से विरोध कर रहा हूॅ। ऐसे प्लांट नहीं खुलना चाहिए।

173. **श्री राजेश्वर श्रीवास, ग्राम—सकर्रा** :— ऐ सब को बोल दिये हैं कि फलाना नहीं होना ढकाना नहीं होना करके दस्तखत कर दिये है। मैं कभी जिंदगी म माईक म बोले नई हव। ये सब फर्जी तरीका से होवत हे। काम अगर सफल हो गये तो बहुत बड़े उग्र आंदोलन करे बर हमन तैयार हवन। प्लांट नई खुलना चाहिए अगर खुल गये कोई तरीका से, दारू म बिक जाथे आदमी ह, पऊवा पीकर फर्जी तरीका से दस्तखत करत हे वो काम नहीं होना चाहिए, सब झन से निवेदन है। सब सहयोग देहा व साथ म सकर्रा, खरकेना, कोपरा गांव वाले ओखर से मोर निवेदन हे, ये काम नहीं होना चाहिए। भारी मात्रा में उग्र आंदोलन करे बर तैयार रहव।

174. **श्री तुलसी सूर्यवंशी, ग्राम—सकर्रा** :— मैं इसका खुलकर विरोध कर रहा हॅू कि प्लांट नहीं खुलना चाहिए।

175. **श्री शंकर केवट, ग्राम—सकर्रा** :— स्टील प्लांट नहीं खुलना चाहिए करके विरोध करना चाहता हॅू।

176. **श्री श्रवण कुमार कर्ष, ग्राम—सकर्रा** :— ये शिविर लगे हे ओखर बारे म समझबे नई करत हव। यहां जो प्लांट खुलत हे सबसे निवेदन करत हव कि मालिक कौन हे? मैं मालिक ल चिन्हे चाहत हव भाई सबसे पहली निवेदन हं। प्लांट खोलना चाहत हे मालिक आये हे कि नई आये हे? आपसे बात तो करूंगा ही सर। जैसे कई झन कहत हे के शिविर ह फर्जी हे, मैं फर्जी नहीं मानत हव। कहे के मतलब हे कि घुटकू के प्लांट खुले रहीस न, त ओमा एकबार गये रहव। बात तो कुछ नहीं करत रहेंव सोझे जाकर सामने म बात ल सुनत रहेंव। मन मा विचार आत रहीस महू कुछ बोलव व कुछ पूछव शिविर लगेहे त शिविर के डिसीजन अभी बताही के, दू साल बाद बताही के पांच साल बाद बताही। मैं आम जनता के तरफ से बोलत हंव, ये शिविर के जवाब आज हमन गांव के किसान ल मिलही के 05 साल के बाद मिलही कि 05 दिन के बाद काहे कि ऐमा मैं भुगते हंव। जे समय में मैं 12 वीं म रहेंव त शिक्षक नई रहय, हमन चक्काजाम करे रहन। चक्काजाम करत रहन त 05 झन आगुवाई करत रहन। हमला थाना म बैंठा दिये रहीस हे त वो तीर म हमन पहुंचे नई पाएन। वो दिन हमर आचार्य बोल दीस की फोटोकापी करा के आवा, सब झन

ल बाट दे रहव। हम तो थाना में बैठे थे चक्काजाम कोने करतीस? हमन भी अधिकारी मन से परमीशन लेये रहेन। आज के जवाब ल आज देही पता चले शादी होथे तो विडियो तो बनथे कैसेट 03 घंटा के रहीथे, शादी 03 दिन के रहीथे। ऐमा कतेक झन ला जोड़िहा व कतेक झन ला काट देहा ओला हमन ल बतावा ऐ ह समझ म ही नहीं आवय। यदि समझ म आथे त 03 घंटा के पिक्चर नहीं ओ 03 दिन के पिक्चर बनतीस। हो सकत हे हमरे मन के बीच के भाई के प्लांट खुलय। हमर बात कट जाही। ऐखर सेती ऐखर डिसीजन आप सक्षम है तो आप जवाब देने के लिए तो हमको एक प्रति देना चाहिए। हम आवाज उठायें हैं कि प्लांट नहीं खुलना चाहिए। यहीं मोर मांग हे, व्यक्तिगत यदि आप हमें कागज नहीं दोंगे तो हमारे लिए कोई विश्वास नहीं है।

उपरोक्त वक्तव्यों के बाद अतिरिक्त कलेक्टर कार्यालय कलेक्टर, जिला–बिलासपुर तथा क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा उपस्थित जन समुदाय से अपने विचार व्यक्त करने का अनुरोध किया गया, किंतु जब कोई भी व्यक्ति अपने विचार व्यक्त करने हेतु उपस्थित नहीं हुए तद्उपरांत लोक सुनवाई में उठाये गये मुद्दो पर परियोजना से संबंधित प्रतिनिधि को जानकारी देने के लिए आमंत्रित किया गया। परियोजना प्रतिनिधि के रूप में श्री संदीप कुमार वर्मा, मुख्य महाप्रबंधक, मेसर्स आईएमएईसी स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड, ग्राम–सकर्रा, तहसील–सकरी, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा लोक सुनवाई में उठाये गये मुद्दो के संबंध में मौखिक जानकारी प्रस्तुत की गई। लगभग अपरान्ह 03:00 बजे अतिरिक्त कलेक्टर एवं पीठासीन अधिकारी, कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा लोकसुनवाई सम्पन्न होने की घोषणा की गई।

लोकसुनवाई स्थल पर लिखित में कुल 162 आवेदन पत्र सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी प्राप्त हुई। स्थल पर उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को आवेदक से प्रस्तावित परियोजना पर सूचना/स्पष्टीकरण प्राप्त करने का अवसर दिया गया। लोक सुनवाई के दौरान 176 व्यक्तियों के द्वारा मौखिक सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी एवं आपत्तियां अभिव्यक्त की गई, जिसे अभिलिखित किया गया। लोक सुनवाई में लगभग 300 व्यक्ति उपस्थित थे। आयोजित लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी कराई गई।

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल,
बिलासपुर (छ.ग.)

अतिरिक्त कलेक्टर एवं पीठासीन अधिकारी,
कार्यालय कलेक्टर
जिला–बिलासपुर (छ.ग.)